हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, रविवार 19 अप्रैल 2026

9 जसौर खेड़ी से बहादुरगढ़ शहर पहुंची सद्भाव यात्रा

10 28 पार्षदों ने किया बजट बैठक का बहिष्कार

H.D. SR. SEC. SCHOOL
Salhawas (Jhajjar)

2026-27 ADMISSION OPEN

CBSE RESULT
10TH CLASS (2025-26)

95% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11000/- (प्रति विद्यार्थी) तथा 90% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 5100/- (प्रति विद्यार्थी) की सम्मान राशि दी जाएगी ।

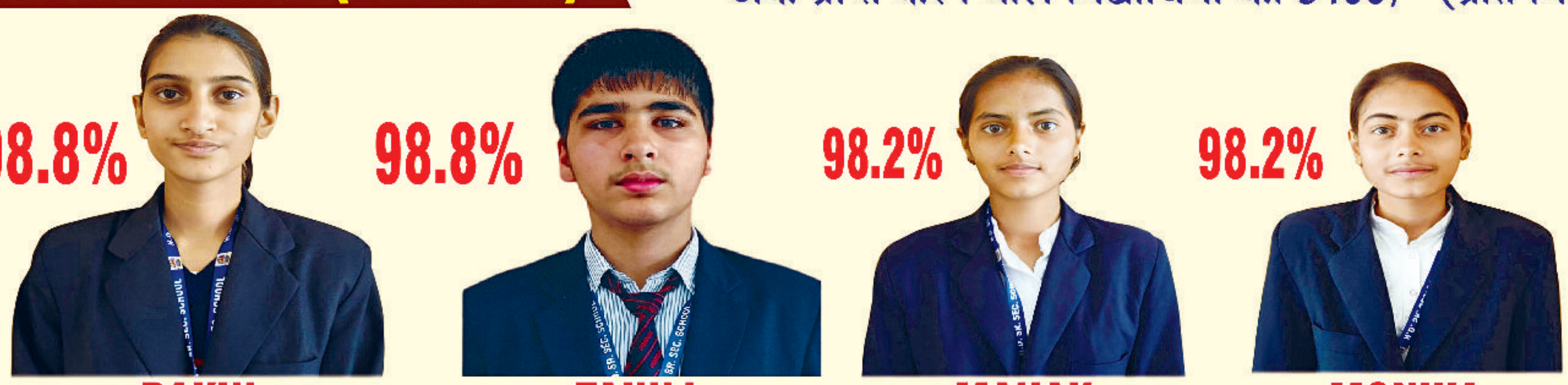

98.8% RAKHI | 98.8% TANUJ | 98.2% MAHAK | 98.2% MONIKA

95% or Above - 48
90% or Above - 102
80% or Above - 224

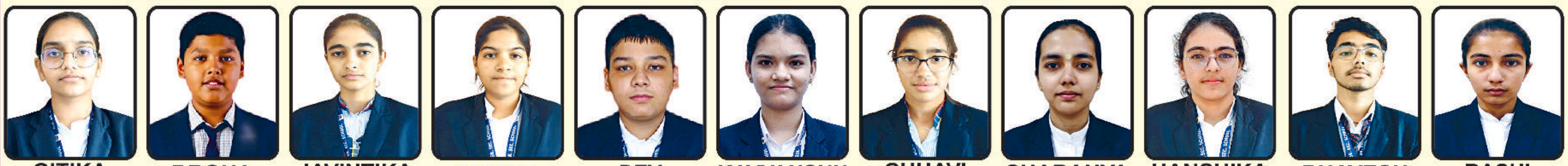

GITIKA 98% | DRONA 98% | JAVINTIKA 97.8% | ANISHA 97.8% | DEV 97.8% | KAVYANSHU 97.6% | CHHAVI 97.6% | SHARANYA 97.4% | HANSHIKA 97.2% | BHAVESH 97.2% | RASHI 97%

ANKITA 96.8% | RISHABH 96.8% | LAKSHAY 96.6% | PAYAL 96.6% | RITU 96.4% | KANIKA 96.4% | YATIKA 96.2% | MUNINDER 96.2% | BHUMIT 96.2% | HIMANSHU 96% | SADHNA 95.8%

VISHESH 95.8% | VANSHIKA 95.6% | PRIYANSU 95.6% | MEGHA 95.6% | VANSHIKA 95.4% | PRINCE 95.4% | PRIYA 95.2% | VANSHIKA 95.2% | ANSHU 95.2% | SRISHTI 95.2% | VIDHI 95.2%

AKSHAY 95.2% | SIMRAN 95% | PRACHI 95% | ANSHUL 95% | TANNU 95% | ABHA 95% | TANISH 95% | SAKSHAM 95% | GEETIKA 95% | DEV 95% | VANSH 95%

राज्यस्तरीय बाल महोत्सव में एच डी साल्हावास ने पूरे हरियाणा में लहराया परचम, जीती 9 प्रतियोगिताएं
55 विद्यार्थी होंगे महामहिम राज्यपाल से सम्मानित

महक व उसके ग्रुप ने समूहगान प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाया । विद्यालय द्वारा 61000/- रुपये से सम्मानित ।

यशवी बिरड़ व चारवी यादव कोसली ने क्विज में (छठी से आठवीं) प्रथम स्थान पाया। विद्यालय द्वारा 5100/- रुपये (प्रति छात्रा) से सम्मानित।

तमन्ना पुत्री श्री सुखबीर मुन्दसा ने कलश प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाया। विद्यालय द्वारा 5100/- रुपये से सम्मानित ।

दिव्यांश पुत्र श्री रवि कुमार बिठला ने बेस्ट ड्रामेबाज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विद्यालय द्वारा 5100/- रुपये से सम्मानित।

महक व उसके ग्रुप ने समूह नृत्य प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पाया। विद्यालय द्वारा 37200/- रुपये से सम्मानित।

मानवी व उसके ग्रुप ने समूहगान प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पाया। विद्यालय द्वारा 37200/- रुपये से सम्मानित।

ऋषि पुत्र श्री शमशेर झांसवा ने एकल गायन प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पाया। विद्यालय द्वारा 11000/- रुपये से सम्मानित ।

दिव्या पुत्री श्री अनिल मुण्डाहेड़ा ने रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पाया । विद्यालय द्वारा 3100/- रुपये से सम्मानित।

दीक्षा व उसके ग्रुप ने समूह नृत्य प्रतियोगिता में तृतीय स्थान पाया । विद्यालय द्वारा 25200/- रुपये से सम्मानित।

For Registration 8053182748 Principal : 9753456879 Transport Facility : 9996771677
www.hdsalhawas.co.in | email: hdschool.salhawas@gmail.com

खबर संक्षेप

झज्जर। शिक्षकों के साथ मंच पर उपस्थित प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी।

इंग्लिश ग्रुप सांग में नालंदा सदन प्रथम

झज्जर। किड्ज शैशव ग्रुप ऑफ स्कूल, मोंटेसरी स्कूल व तिरंग इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को अंतर सदनीय इंग्लिश ग्रुप सांग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की संगीत प्रतिभा को निखारने और उन्हें मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में तक्षशिला, नालंदा, विक्रम शिला और वल्लभी सदन के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने विभिन्न अंग्रेजी गीतों की प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता का मूल्यांकन स्वर, उच्चारण, लय एवं प्रस्तुति के आधार पर किया गया। प्रतियोगिता में नालंदा सदन के विद्यार्थियों को प्रथम, विक्रमशिला सदन को द्वितीय व वल्लभी सदन के विद्यार्थियों को तृतीय स्थान मिला। सभी प्रतिभागी टीमों को उनके उत्साहवर्धन के लिए ट्रॉफी व प्रशंसा-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय के चेयरमैन कैप्टन प्रवीर गहलौत ने कहा कि हमें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। इस मौके पर प्राचार्या नीलम मल्हान, अशोक, प्रदीप, टीना व कविता सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

कैलीग्राफी प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एलए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में हिंदी-इंग्लिश कैलीग्राफी का इंटर हाउस कॉम्पीटिशन आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा तीसरी से बारहवीं के बच्चों ने भाग लिया। स्कूल प्राचार्या निधि कादयान ने सभी विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए उनको प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया, योजित गुलिया, भविष्य दहिया ने कैलीग्राफी कॉम्पिटिशन में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर रविंद्र लोहचब, पिंकी अहलावत, पुष्पा यादव, सपना यादव सहित स्टाफ के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

संस्कारम विवि में स्कॉलरशिप टेस्ट आज

झज्जर। संस्कारम विवि पाटौदा में स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया जाएगा। जिसमें हरियाणा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में विद्यार्थी भाग लेंगे। यह परीक्षा मेधावी एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। विवि में फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, वेटरनरी साइंस, कंप्यूटर साइंस, लैब टेक्नोलॉजी, लॉ, साइंस के अंतर्गत स्कॉलरशिप टेस्ट के माध्यम से प्रवेश के सकते हैं। हरियाणा के विभिन्न जिलों रोहतक, भिवानी, रेवाड़ी, हिसार, झज्जर, फरीदाबाद, महेंद्रगढ़, गुरुग्राम, पानीपत, कुरुक्षेत्र यमुनानगर, कैथल, दिल्ली आदि से विद्यार्थियों के पंजीकरण प्रतिदिन लगातार हो रहे हैं। विवि परिसर में परीक्षा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

पूर्व मंत्री ने आढ़ती और किसानों की समस्याएं सुनीं, मंत्री राजेश नागर को फोन से करवाया अवगत

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ने किया मंडियों का दौरा बोले, एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदेगी सरकार

ओमप्रकाश धनखड़ ने झज्जर, बादली व ढाकला अनाज मंडी का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। अनाज मंडी में किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री से बात करते हुए ओमप्रकाश धनखड़।

झज्जर। अनाज मंडी में गेहूं खरीद कार्य में जुटे मंडी कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पूर्व कृषि मंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने शनिवार को झज्जर, बादली व ढाकला अनाज मंडी का दौरा किया और खरीद व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मंडी में अपना अनाज लेकर आए किसानों और खरीद कर रहे आढ़तियों से बात की। उन्होंने कहा कि मंडी और खरीद केंद्रों पर किसानों का आया एक-एक दाना एमएसपी पर हमारी सरकार खरीदेगी। किसानों और आढ़तियों की समस्या को लेकर उन्होंने खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर से फोन पर बात की और प्राथमिकता के आधार पर समाधान का आश्वासन दिया। बाद में पत्रकारों से रूबरू होते हुए धनखड़ ने विपक्ष पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि लोकसभा में नारी वंदन बिल का विरोध दुर्भाग्यपूर्ण है। देश भर की महिलाओं में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के प्रति गहरा रोष है। महिलाएं कांग्रेस को माफ नहीं करेंगी। इस दौरान जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, संजय कबलाना, मनीष बंसल, गीतांशु चावला सहित अन्य भी मौजूद रहे।

- पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि विपक्ष के द्वारा नारी वंदन बिल का विरोध कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है

बरसात के बाद मंडियों में कम आया गेहूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शनिवार को अनाज मंडियों में गेहूं की आवक में कमी दर्ज की गई। बहादुरगढ़ अनाज मंडी में 16 गेट पास कटे, जिसके तहत 738.5 क्विंटल गेहूं आया।

वहीं आसौदा मंडी में 59 गेट पास कटने के बाद 1746 क्विंटल गेहूं पहुंचा। अब तक दोनों मंडियों में कुल एक लाख 26 हजार 437 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है, जबकि 84 हजार 603 क्विंटल गेहूं की सरकारी खरीद की जा चुकी है। उठान की स्थिति पर नजर डालें तो बहादुरगढ़ मंडी में 36.91 प्रतिशत और आसौदा मंडी में 44.8 प्रतिशत उठान हुआ है। उधर, मंडियों में उठान प्रक्रिया धीमी रहने के कारण बीती रात हुई बारिश के चलते गेहूं भीग गया।

जिले की मंडियों में गेहूं की आवक तेज, उठान कार्य ने भी पकड़ी गति, बरसात के बाद भी व्यवस्था में जुटे आढ़ती

झज्जर। *जिले की अनाज मंडियों में गेहूं की आवक जोरों पर हो रही है। पिछले कुछ दिनों से उठान कार्य में भी तेजी लाई जा रही है। शुक्रवार हुई बरसात के बाद आढ़ती दिनभर व्यवस्था करने में जुटे रहे। मौसम साफ होने के कारण गेहूं की ढेरियों से तिरपाल हटा दिए गए और उठान कार्य शुरू किया गया। उठान कार्य में तेजी होने के कारण हैफेड गोदाम के बाहर ट्रकों की लंबी लाईन लगी है। जिसके कारण यातायात भी प्रभावित हो रहा है। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि जिले की मंडियों और खरीद केंद्रों में अब तक एक लाख 91 हजार 499 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज की गई है, जबकि एक लाख 12 हजार 722 मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं की खरीद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि झज्जर अनाज मंडी में 60 हजार 131 मीट्रिक टन, बादली में 14 हजार 485 मीट्रिक टन, ढाकला में 13 हजार 170 मीट्रिक टन, बेरी में 32 हजार 741 मीट्रिक टन, मातनहेल में 30 हजार 800 मीट्रिक टन, माजरा डी खरीद केंद्र पर 14 हजार 801 मीट्रिक टन, छारा में 13 हजार 399 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 294 मीट्रिक टन तथा आसौदा में दस हजार 687 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। वहीं खरीद के आंकड़ों के अनुसार झज्जर मंडी में 30 हजार 340 मीट्रिक टन, बादली में सात हजार 02 मीट्रिक टन, ढाकला में छह हजार 703 मीट्रिक टन, बेरी में 20 हजार 172 मीट्रिक टन, मातनहेल में 21 हजार 978 मीट्रिक टन, माजरा डी में दस हजार 148 मीट्रिक टन, छारा में सात हजार 952 मीट्रिक टन, बहादुरगढ़ में 1 हजार 186 मीट्रिक टन तथा आसौदा में सात हजार 241 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है।*

स्टेडियम के मैदान पर गड्ढे, शौचालय की हालत बद से बदतर : कटारिया

- युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने स्टेडियम का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। आंबेडकर स्टेडियम का निरीक्षण करते निशित कटारिया व अन्य।

युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बादली रोड स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान स्टेडियम की बदहाल स्थिति पर सरकार को जमकर कोसा।

निशित कटारिया ने बताया कि खेल मैदान की स्थिति काफी खराब मिली और जगह-जगह गड्ढे तथा टूट-फूट नजर आई। स्टेडियम की फेंसिंग भी जर्जर है। शौचालय भी बेहद खराब हैं। खिलाड़ियों के लिए पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी अभाव है। साफ कि प्रदेश सरकार खेलों के विकास को लेकर गंभीर नहीं है। युवा कांग्रेस के प्रदेश मीडिया चेयरमैन प्रदीप यादव ने कहा कि प्रदेश में खिलाड़ियों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल रही हैं, जो सरकार की खेल नीति की विफलता को उजागर करती है। उन्होंने पंकज फोगाट के कार्यालय में युवा कांग्रेस की जिला कार्यकारिणी की बैठक भी ली। इसमें कमल अरोड़ा, अरुण राठी, राजेश खत्री, मनीष परनाला, लवलीन अग्रवाल, सत्यवान, राजू, सुरेंद्र दलाल, दीपक रूहील, आशीष सिंह, नरेंद्र, पृथ्वी खत्री, वंश व नवीन आदि मौजूद रहे।

संस्कारम स्कूल के होनहारों का भव्य सम्मान चेयरमैन ने नकद पुरस्कार देकर बढ़ाया मान

- बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक अंक 27 विद्यार्थियों ने प्राप्त किए
- प्रतियोगी परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों का भी सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। होनहार छात्राओं एवं उनके अभिभावकों का सम्मान करते हुए चेयरमैन डॉक्टर महिपाल।

शनिवार को संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में बोर्ड व प्रतियोगी परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले होनहारों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें होनहार विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षा में 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल व जिले का नाम रोशन करने वाली छात्राओं सुहानी और लक्षिता को चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने 21-21 हजार रुपये की नकद राशि और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने वाले होनहारों का भी सम्मान किया गया। एनडीए में चयनित होने पर रक्षित पुत्र विकास शर्मा को भी 21 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके अलावा बाल भवन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले समूहों को क्रमशः 11 हजार, 51सौ और 31 रुपये की राशि प्रदान की गई। इस दौरान चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से सीधा संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सुहानी और लक्षिता की तरह शैक्षणिक ऊंचाइयों को छूना और रक्षित की तरह देश सेवा का जज्बा रखना ही संस्कारम का असली उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि बच्चों की इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग और विद्यालय पर उनका अटूट विश्वास ही सबसे बड़ा संबल है। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि संस्कारम ग्रुप भविष्य में भी आधुनिक तकनीक और उच्च संसाधनों के माध्यम से उनके बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। महर्षि दयानंद खेल स्टेडियम में योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करते योग सहायक।

आयुष योग सहायकों ने किया योगाभ्यास

झज्जर। हरियाणा योग आयोग, आयुष विभाग तथा पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का शनिवार को समापन हो गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉक्टर संगीता ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की तैयारियों के मद्देनजर आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में बलदेव योग विशेषज्ञ, दयावती योग सहायिका तथा विजेंद्र आयुष सहायक द्वारा योग सहायकों को सामान्य योग प्रोटोकॉल का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। जिला योग संयोजक डॉक्टर पवन कुमार ने बताया कि जिले में कार्यरत सभी आयुष योग सहायकों को योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया। साथ ही उन्हें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया गया।

विद्यार्थियों को दिया अनुशासन का मंत्र

- त्रिवेणी स्कूल में हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। प्रतिभागी और विजेता विद्यार्थियों के साथ प्रिंसिपल व अन्य।

शहर के त्रिवेणी मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी विद्यालय में वाद विवाद प्रतियोगिता विद्यालय में अनुशासन की सख्ती जरूरी है या नहीं विषय पर हुई। इसमें आठवीं से दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने पक्ष और विपक्ष दोनों में अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य सुमित्रा महला ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के बौद्धिक एवं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्कूल निदेशिका संगीता वर्मा ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पक्ष के विद्यार्थियों ने अनुशासन बनाए रखने के लिए सख्ती को आवश्यक बताया, वहीं विपक्ष के विद्यार्थियों ने सख्ती के दुष्प्रभावों को उजागर करते हुए समझदारी और सहानुभूति को अधिक महत्वपूर्ण बताया। विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के उत्तर देकर अपनी तार्किक क्षमता का परिचय दिया। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन उनके तर्क, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के आधार पर किया। अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

न्यूज डायरी

बहादुरगढ़। कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

भक्तों को श्लोक स्टार व लिटिल वैष्णव अवॉर्ड बांटे

बहादुरगढ़। लाइनपार स्थित इस्कॉन मंदिर में तीन दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा शनिवार को शुरू हो गई। पहले दिन महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा में काफी महिलाएं शामिल हुईं। नगर परिक्रमा के बाद कलश स्थापित किए गए। कथावचक एचएच भक्ति करुणामयी वनमाली महाराज ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और आध्यात्मिक ज्ञान का रसपान कराया। कथा सुनकर श्रोता भाव विभोर हो उठे। इसके अलावा शनिवार को नियमित जाप करने वाले, श्लोक स्टार, लिटिल वैष्णव, परफेक्ट अटेंडेंस, राइजिंग स्टार, ड्रामा स्टार, डांस स्टार, भक्ति स्टार आदि अवॉर्ड प्रतिभागियों को दिए गए। जबकि शैक्षणिक प्रदर्शन और मॉड्यूल की अंतिम परीक्षा के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी विशेष पुरस्कार दिए गए।

बहादुरगढ़। मेडिकल कॉलेज में अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लेते ट्रस्ट पदाधिकारी।

मेडिकल कॉलेज में योग्यता के आधार पर किया चयन

बहादुरगढ़। नूना माजरा स्थित महाराजा अग्रसेन केदारनाथ गुप्ता मेडिकल कॉलेज में शनिवार को विभिन्न विभागों के लिए वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किया गया। इसमें बड़ी संख्या में योग्य एवं अनुभवी अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इंटरव्यू के दौरान ट्रस्ट के मुख्य सलाहकार डॉ. सुशील गुप्ता, प्रेम गर्ग, त्रिलोकी नाथ, संजय गुप्ता, डॉ. ओपी कालरा व डॉ. पूनम अग्रवाल आदि ने अभ्यर्थियों के अनुभव, ज्ञान और शिक्षण क्षमता के आधार पर उनका गहन मूल्यांकन किया गया। निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ अभ्यर्थियों का इंटरव्यू लिया तथा योग्य उम्मीदवारों का चयन किया।

झज्जर। शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे ग्रामीण।

शिविर में ग्रामीणों ने कराई स्वास्थ्य जांच

हरिभूमि न्यूज. झज्जर : वर्ल्ड मेडिकल कॉलेज रिसर्च एंड हॉस्पिटल गिरावड़ द्वारा शनिवार को क्षेत्र के गांव खेड़ी खुम्मार में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अस्पताल के मेडिसिन विभाग, सर्जरी, नेत्र रोग, ईएनटी, हड्डी रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। बड़ी संख्या में लोगों ने शिविर में पहुंच कर अपनी स्वास्थ्य जांच कराई। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा जरुरतमंद लोगों में जहां निःशुल्क दवाओं का वितरण किया वहीं उन्हें स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी आवश्यक परामर्श भी दिया गया। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर चरण सिंह और असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर रजत गुप्ता ने बताया कि संस्थान के संस्थापक डॉक्टर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस शिविर के दौरान लोगों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल संबंधी जानकारी भी दी गई।

कार्यशाला में महिलाओं को सुरक्षा के टिप्स दिए

यौन उत्पीड़न कानून की जानकारी होना जरूरी

- छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यशाला में उपस्थित छात्राएं, प्रिंसिपल व स्टफ आदि।

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में शनिवार को नव चेतना फाउंडेशन के सहयोग से गरिमा को प्राथमिकताः विधिक जागरूकता एवं कार्यस्थल सुरक्षा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

दीप प्रज्वलन व स्वागत उपरांत नव चेतना फाउंडेशन के अध्यक्ष ललित कुमार ने कहा कि महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है। छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के खिलाफ निडर होकर आवाज उठानी चाहिए। एडवोकेट सचिन बंसल ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम 2013 के प्रमुख प्रावधानों को सरल भाषा में समझाया। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि प्रत्येक छात्रा को अपने अधिकारों, कर्तव्यों एवं कानून की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। भावी अध्यापिकाओं ने अनेक प्रश्न पूछे और विशेषज्ञों द्वारा उनके समाधान दिए गए। सभी ने संकल्प लिया कि वे एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समानता आधारित समाज के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देंगे। कार्यशाला के आयोजन में प्रीतकमल, डॉ. पूनम, डॉ. किरण, दिव्या बंसल, सुनीता रानी व डॉ. अन्नू शर्मा ने सहयोग किया।

खबर संक्षेप

खेत में जा रहे किसान पिता व पुत्र को पीटा

बहादुरगढ़। गेहूं कटाई के लिए खेत में जा रहे किसान पिता-पुत्र पर दो लोगों ने हमला कर दिया। गला दबाया और लात घूसों से प्रहार किए। हमलावर बोले कि गेहूं काटे तो जान से मार देंगे। गांव के ही दो सगे भाइयों पर आरोप है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। आसौदा थाना पुलिस ने कस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव छारा के निवासी हर्ष का कहना है कि हमने गांव के एक व्यक्ति से बुवाई के लिए जमीन ले रखी है। उस जमीन में गेहूं बो रखे हैं। फिलहाल गेहूं कटाई पर हैं। मैं अपने पिता भूपेंद्र के साथ गेहूं कटाई के लिए खेत जा रहा था। तभी गांव के निवासी दो सगे भाई वहां आए और हमारा रास्ता रोक लिया। कहने लगे कि हम तुम्हें गेहूं नहीं काटने देंगे। इस पर हमने कहा कि हमने बुवाई की है तो हम काटेंगे।

पति को तलाशने की गुहार लगाई

बहादुरगढ़। घर से ड्यूटी के लिए निकला एक व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। चंद दिन बीत जाने के बाद भी उसका कुछ अता पता नहीं है। अब परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर तलाश की गुहार लगाई है। शंकर गार्डन की निवासी सरिता देवी का कहना है कि उसके पति करीब 49 वर्षीय गुप्तेश्वर 15 अप्रैल की सुबह सात बजे ड्यूटी जाने के लिए घर से निकले थे लेकिन देर रात तक नहीं लौटे। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की। तमाम रिश्तेदारियों और संभावित ठिकानों पर पता कर चुके हैं लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस तलाशने में मदद करे। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जसौर खेड़ी से बहादुरगढ़ शहर पहुंची पूर्व सांसद की सद्भाव यात्रा

महिला आरक्षण आगे कर सरकार परिसीमन विधेयक पास कराना चाहती थी : बृजेंद्र सिंह

- यात्रा आसौदा, बराही, सांखोल और बहादुरगढ़ शहर से होते हुए छोटूराम धर्मशाला पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

पूर्व सांसद बृजेंद्र सिंह के नेतृत्व में निकाली जा रही सद्भाव यात्रा शानिवार को बहादुरगढ़ पहुंची। यात्रा के 197वें दिन की शुरुआत जसौर खेड़ी गांव से हुई। इसके बाद यात्रा आसौदा, बराही, सांखोल और बहादुरगढ़ शहर से होते हुए छोटूराम धर्मशाला पहुंची। शनिवार का पड़ाव यहीं होगा।

बृजेंद्र सिंह ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। उनके अनुसार महिला आरक्षण बिल तो वर्ष 2023 में ही पास हो चुका है, लेकिन दोबारा से महिला आरक्षण को आगे करके सरकार परिसीमन विधेयक को पास कराना चाहती थी, जबकि परिसीमन के बारे में किसी भी प्रकार की कोई चर्चा नहीं हुई और न ही ऑल पार्टी मीटिंग बुलाई गई। इसीलिए सरकार विशेष संसद सत्र बुलाकर पास कराना चाहती थी। हालांकि परिसीमन विधेयक संसद में पास नहीं हुआ। सरकार के पास जरूरी बहुमत नहीं था, लेकिन इसके बहाने सरकार पश्चिम बंगाल चुनाव में फायदा लेना चाहती थी। यात्रा में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह, प्रदीप कौशिक, अनीश लीला पहलवान, एडवोकेट जगशेर कादियान, प्रोफेसर चरण सिंह, परमजीत दलाल, कंवरपाल जून, ममता दलाल व सतीश सहरावत आदि शामिल रहे। ग्रामीणों ने कई जगह यात्रा का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जनता समाज को जोड़ने की समर्थक है और विभाजनकारी ताकतों को मुंहतोड़ जवाब देगी।

बहादुरगढ़। सांखोल में बृजेंद्र सिंह व बीरेंद्र सिंह का स्वागत करते ग्रामीण।

बहादुरगढ़। पैदल आसौदा से बराही की तरफ बढ़ते बृजेंद्र सिंह व अन्य।

न्यूनतम वेतन चरणबद्ध तरीके से प्रति वर्ष बढ़ाएं

- गुरुग्राम में ऑल हरियाणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ने मंथन कर दिया सुझाव

बहादुरगढ़। गुरुग्राम में ऑल हरियाणा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा न्यूनतम वेतन से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक में कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज ने भी हिस्सा लिया। इसमें उद्योगों और कर्मचारियों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने पर विस्तृत चर्चा की गई। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, उपाध्यक्ष विपिन बजाज, सहसचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, पवन कुमार जिंदल व बिमल बत्रा ने भाग लेते हुए महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उनके अनुसार उद्योग पहले से ही कच्चे माल की कमी, बढ़ती लागत, उत्पादन में गिरावट तथा एलपीजी गैस की किल्लत जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन परिस्थितियों में न्यूनतम वेतन में अचानक वृद्धि करना उद्योगों के साथ कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है। दोनों के बीच संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। सुझाव दिया कि न्यूनतम वेतन में एकदम से वृद्धि करने के बजाय इसे चरणबद्ध तरीके से प्रति वर्ष बढ़ाया जाए। पड़ोसी राज्यों के मानकों को ध्यान में रखते हुए एक संतुलित नीति बनाई जाए।

बहादुरगढ़। न्यूनतम वेतन वृद्धि पर चर्चा करते उद्यमी। *फोटो : हरिभूमि*

इनेलो ने 800 करोड़ के दावों को बताया हवा-हवाई

बहादुरगढ़। विधायक के दावों पर सवाल उठाते भूपेंद्र राठी व अन्य।

- भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने कहा- सड़कें बनने के बाद कुछ ही दिनों में उखड़ रहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

इनेलो नेता भूपेंद्र नफे सिंह राठी ने भाजपा सरकार और स्थानीय विधायक के विकास संबंधी दावों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थक विधायक द्वारा बहादुरगढ़ में 800 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाने का दावा किया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरह रही है।

भूपेंद्र राठी ने कहा कि शहर में न तो कोई नया शिक्षण संस्थान स्थापित किया गया है और न ही युवाओं के लिए खेल और स्वास्थ्य से जुड़ी पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई हैं। विकास कार्यों के नाम पर केवल लीपापोती की जा रही है। सड़कें कुछ ही दिन बाद उखड़ रही हैं। सेक्टरों की सड़कों की स्थिति भी बेहद खराब है। इससे पहले भी भाजपा के पूर्व सीएम ने बहादुरगढ़ में 2300 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाने का दावा किया था। यदि वास्तव में इतनी बड़ी राशि बहादुरगढ़ के विकास पर खर्च की गई होती, तो आज बहादुरगढ़ देश ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना चुका होता। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बहादुरगढ़ में मास्टर प्लान की अनदेखी कर निजी कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। बहादुरगढ़ की नई अनाज मंडी के प्रस्तावित प्लान को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। भाजपा शासन में आज प्रदेश का हर वर्ग दुखी और परेशान है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर शहरी जिलाध्यक्ष रामनिवास सैनी, पार्षद बिजेंद्र दलाल, पार्षद मोहित नंबरदार, मास्टर सुखबीर सरोहा, कोच पूर्णमल, सन्नी आसोदा, एडवोकेट विपिन प्रधान, सूरजमल दलाल, सूरज राजपूत, सुरेंद्र शर्मा व वीरू आदि मौजूद रहे।

कचरा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कमेटी होगी गठित

झज्जर। जिले में विभिन्न प्रकार के अपशिष्टों के प्रभावी एवं समन्वित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में एकीकृत अपशिष्ट प्रबंधन के लिए गठित सदस्यों ने भाग लिया। डीसी ने जिले में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जिला स्तर पर कचरा प्रबंधन को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया है। विभिन्न प्रकार के अपशिष्ट जैसे ठोस शहरी कचरा, प्लास्टिक कचरा, जैव-चिकित्सा कचरा, औद्योगिक कचरा, निर्माण एवं डेमोलिशन वेस्ट सहित अन्य अपशिष्टों के प्रभावी प्रबंधन के लिए विभिन्न विभागों के बीच समन्वित प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने कहा कि शहरों में नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कचरा संग्रहण, उसके उचित निस्तारण और रीसाइक्लिंग की प्रक्रिया को मजबूत किया जाए।

झज्जर। बैठक के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल।

बहादुरगढ़। एसीपी को हनुमानजी का चित्र भेंट करते सोनू पहलवान व धर्मेंद्र दलाल।

एसीपी ने मांडोठी में दिया नशे के विरुद्ध जागरूकता का संदेश

बहादुरगढ़। नशा मुक्ति अभियान के तहत एसीपी अखिल कुमार ने गांव मांडोठी का दौरा कर नशा और अपराध के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया। गांव पहुंचने पर गणमान्य लोगों ने एसीपी अखिल कुमार का पगड़ी बांधकर स्वागत किया। हिंद केसरी सोनू अखाड़े में खिलाड़ियों ने उनका अभिनंदन किया। एसीपी ने कहा कि नशा सामाजिक समस्या है, जिसे खत्म करने को जनभागीदारी जरूरी है। उन्होंने युवाओं को खेल और शिक्षा की ओर प्रेरित करने तथा अभिभावकों को बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखने की सलाह दी। अपील की कि नशे से जुड़े मामलों की सूचना पुलिस या मानस हेल्पलाइन 1930 पर दें। इस अवसर पर हिंद केसरी सोनू दलाल, कॉमनवेल्थ चैंपियन धर्मेंद्र दलाल, अर्जुन अवॉर्डी ओमवीर सिंह, वर्ल्ड चैंपियन हरदीप छिल्लर, सुमित दलाल, रजत रूहल के अलावा रोहित दलाल, नमन कुमार, दीपक ठकरान, एशियाई चैंपियन योगेश कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

डिस्प्ले बोर्ड प्रतियोगिता में सरस्वती हाउस जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर के मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा 6 से 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए इंटर हाउस डिस्प्ले बोर्ड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें चारों सदनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न समसामयिक विषयों पर अपनी रचनात्मक प्रस्तुति दी। यमुना हाउस ने क्लाइमेट चेंज, सरस्वती हाउस ने सोशल मीडिया, गंगा हाउस ने संतुलित आहार का महत्व और कावेरी हाउस ने से नो टू बुलिंग विषय पर उत्कृष्ट रचनात्मकता, जागरूकता और टीम भावना का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में सरस्वती हाउस प्रथम, यमुना हाउस द्वितीय, गंगा हाउस तृतीय और कावेरी हाउस चतुर्थ रहा। गतिविधि समन्वयक चिन्मयी ने बताया कि ऐसी गतिविधि विद्यार्थियों में सामाजिक समझ और रचनात्मक सोच को विकसित करती हैं। स्कूल निदेशक डॉ. राकेश सांगवान और प्रिंसिपल ने सभी विजेताओं व प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को प्रेरणादायक बताया।

बहादुरगढ़। विजेता विद्यार्थियों के साथ मॉडर्न स्कूल का स्टाफ। *फोटो : हरिभूमि*

पूर्व उप मुख्यमंत्री के काफिले के आगे गाड़ी लगाने का मामला

दुष्यंत चौटाला के साथ बदसलूकी के आरोप लगा आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के काफिले के आगे गाड़ी लगाने के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। जेजेपी कार्यकर्ता व नेता इस मामले को जोर-शोर से उठा रहे हैं और आरोपी पुलिस कर्मचारी पर कार्रवाई किए जाने की मांग कर रहे हैं। शनिवार को जेजेपी कार्यालय में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अजय गुलिया और जिला प्रेस प्रवक्ता विकास पाराशर ने कहा कि अब प्रदेश के अंदर पुलिस वर्दीधारी गुंडे घूम रहे हैं। कहा कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से काम नहीं चलेगा बल्कि सरकार को चाहिए कि समय रहते आरोपी की गिरफ्तारी करें वरना जेजेपी के कार्यकर्ता सड़कों पर उतरेंगे। अजय गुलिया ने कहा कि हिसार में पूर्व डिप्टी सीएम के काफिले को रोककर पुलिस गाड़ी में बैठे कर्मचारी ने जो किया, उसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मौके पर महिला जिलाध्यक्ष शीला गोदारा, हलका प्रधान मिंटू ठेकेदार, प्रीतम कुकड़ौला, सुमित राठी, महेंद्र सिंह, बल्लू पहलवान, कप्तान गुढ़ा, प्रेम सिंह, रामनिवास मास्टर सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए जेजेपी प्रदेश प्रवक्ता अजय गुलिया एवं अन्य।

जजपा ने की पुलिस अधिकारी पर कार्रवाई की मांग

बहादुरगढ़। हिसार में छात्र संगठन इनसो के प्रदर्शन को लेकर विवाद गहराने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ हुए प्रकरण को जजपा नेताओं ने साजिश बताया है। जजपा जिलाध्यक्ष संजय दलाल समेत अन्य ने इसके लिए दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। जिला पार्षद संजय दलाल ने बताया कि जेजेयू प्रशासन ने इनसो कार्यकर्ताओं को प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी। दिग्विजय चौटाला कुलपति (वीसी) से मिलकर अपना पक्ष रखना चाहते थे, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। गेट पर हंगामा होने के बादरात करीब 3 बजे इनसो के 5-6 कार्यकर्ताओं को सीआईए ने उठा लिया। फिर दिग्विजय, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला के साथ गिरफ्तारी देने पहुंचे, लेकिन एसएचओ ने इनकार कर दिया। संजय दलाल के अनुसार दुष्यंत एसपी से मिलने जा रहे थे, तो रास्ते में एक गाड़ी ने उनके काफिले को रोक लिया। हाथ में रिवॉल्वर लिए गाली-गलौच की। इस घटना से इनसो और जजपा कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। जजपा नेता ने सवाल उठाया है कि यह किसी बड़ी साजिश का हिस्सा था। जिला पार्षद राजीव मास्टर, पूर्व पार्षद राजू दलाल, दिलबाग सिंह, सुभाष बागड़ी, मनोज पांचाल, मुकेश सिहाग, राजेंद्र दलाल, धर्मेंद्र गुलिया, अमित दलाल, पवन भदानी, राकेश सिहाग, रमेश गहलोत, सतपाल दलाल, राजेश महाराणा, जगदेव राणा, श्रीचंद बामडोली, प्रीतम सिंह और विजेंद्र सिंह आदि ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

डिजिटल जनगणना को लेकर दिया प्रशिक्षण

बहादुरगढ़। शनिवार को एमडी कॉलेज ऑफ एजुकेशन में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में डिजिटल डाटा कलेक्शन का प्रशिक्षण दिया गया। प्राचार्य डॉ सुरबाला पैकरे ने बताया कि इस जनगणना में पहली बार स्व-गणना की सुविधा दी जा रही है, इसलिए नागरिकों को डिजिटल माध्यम से जोड़ने और उन्हें जागरूक करने में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में बीएड व डीएलएड के विद्यार्थियों को मोबाइल एप व डिजिटल मोड में डाटा कलेक्शन का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कॉलेज चेयरमैन प्रवीण छिल्लर, डॉ पूनम चौधरी, डॉ सीमा छिल्लर भी मौजूद रहे।

एमडीयू की टीम ने किया नेहरू कॉलेज का दौरा

झज्जर। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय में बीएससी (गणित ऑनर्स) तृतीय वर्ष की संबद्धता के लिए महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक की टीम ने निरीक्षण किया। विश्वविद्यालय की निरीक्षण टीम में प्रोफेसर सुमित गिल, डॉक्टर अंजू पंवार और डॉक्टर सुरेंद्र कुमार रहे। प्राचार्य दलबीर सिंह ने टीम का स्वागत किया। गणित विभागाध्यक्ष डॉक्टर संदीप कुमार ने गणित विभाग में उपलब्ध आधारभूत ढांचे, विभिन्न सुविधाओं, कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय एवं अन्य संसाधनों की जानकारी दी। निरीक्षण टीम ने गणित विभाग और पुस्तकालय का दौरा किया तथा सभी संसाधनों की बारीकी से जांच की और सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस अवसर पर डॉक्टर पुष्पेंद्र कादियान, डॉक्टर जय भगवान, डॉक्टर नरेंद्र, सुरेंद्र सिंह, जीनम और चिंकी उपस्थित रहे।

जरूरतमंद बेटी की शादी में किया सहयोग

बहादुरगढ़। सार्थक सेवा समिति ने एक जरूरतमंद बेटी की शादी सहयोग कर एक बार फिर सार्थक संदेश दिया है। समिति अध्यक्ष नफे सिंह सार्थक, हरिचंद रोझा, ज्ञान सिंह सैनी व श्याम सुंदर लाल ने लाइनपार पहुंचकर कन्या को 21 सूट, साड़ियां, एक जूसर मिक्सर ग्राइंडर, एक सिलाई मशीन और 11 हजार रुपए की नकद राशि भेंट की। उन्हें पूर्व पार्षद जसबीर सैनी से जानकारी मिली थी कि लड़की के पिता का करीब 15 वर्ष पहले स्वर्गवास हो गया था और मां मजदूरी करके किराए के मकान में गुजर-बसर कर रही है।

पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

बहादुरगढ़। रोहद में स्थित जूपिटर पब्लिक स्कूल में पौधरोपण अभियान का आयोजन उत्साह और जोश के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा। स्कूल परिसर में गुड़हल, सदाबहार, गेंदा, नीम और शीशम सहित विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। साथ ही बच्चों को पौधों की देखभाल करने और उनके सही विकास की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया गया। स्कूल निदेशक राजकुमार रूहिल ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं स्कूल प्रिंसिपल राजपाल सिंह सनवाल ने जलवायु परिवर्तन और पेड़ों की कटाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए ऐसे अभियानों को जरूरी बताया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने प्रकृति की रक्षा करने और स्वच्छ व हरित पर्यावरण के निर्माण में अपना योगदान देने की शपथ ली।

प्लास्टिक के खिलाफ दुकानदारों को किया जागरूक

बहादुरगढ़। माल गोदाम रोड स्थित वैश्य आर्य पब्लिक स्कूल में इको क्लब के तत्वावधान में साप्ताहिक प्लास्टिक मुक्त सप्ताह मनाया गया। अभियान की शुरुआत विद्यालय की प्रार्थना सभा से हुई, जहां इको क्लब की मुखिया ने छात्राओं को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। छात्राओं को बताया गया कि प्लास्टिक पर्यावरण, जीव-जंतुओं और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। इस दौरान कक्षा छठी से बारहवीं तक की छात्राओं ने ड्राइंग, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्लास्टिक का उपयोग न करने का संदेश रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। अभियान के अंतिम दिन छात्राओं ने माल गोदाम रोड स्थित दुकानों पर जाकर दुकानदारों को प्लास्टिक के नुकसान बताए और उन्हें जागरूक किया। साथ ही दुकानदारों से अपील की कि वे अपने ग्राहकों को कपड़े या जूट के थैले इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करें। छात्राओं ने इस अवसर पर अपने बनाए पोस्टर भी दुकानदारों को भेंट किए।

खबर संक्षेप

मेगा फ्री हेल्थ चेकअप एवं रक्तदान शिविर आज

झज्जर। रविवार को स्थानीय पंजाबी धर्मशाला में एक विशाल मेगा फ्री हेल्थ चेक-अप कैंप एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह परोपकारी पहल जनमंच पत्रकार सोसाइटी और संस्कारम एजुकेशनल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इस पुनीत कार्य में पंजाबी सेवा सभा समिति, झंग बिरादरी महासभा, भारत विकास परिषद (झज्जर शाखा) और श्री सत जिंदा कल्याण सेवा समिति का विशेष सहयोग रहेगा। यह शिविर सुबह दस बजे से शुरू होगा, जहां संस्कारम हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर के विशेषज्ञ चिकित्सक एक ही छत के नीचे अपनी सेवाएं देंगे। शिविर की सबसे बड़ी विशेषता गर्भवती महिलाओं के लिए प्रदान की जाने वाली निःशुल्क नार्मल और सिजेरियन डिलीवरी की सुविधा है। इसके अलावा, मरीजों को आंखों की जांच व चश्मे, दांतों, कानों, हड्डी, चर्म रोग और थायराइड जैसी जांचें मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी।

बरसात के अगले ही दिन फिर बढ़ा तापमान

बहादुरगढ़। इलाके में बीती रात को रुक-रुक कर बरसात हुई। कुल 4.20 एमएम बरसात दर्ज की गई। इससे राहत को तो मौसम में नर्माहट आई लेकिन शनिवार को तेज धूप खिली तो तापमान पुनः बढ़ गया और 39 डिग्री पर जा पहुंचा। दरअसल, बीते कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है। हालांकि शुक्रवार की दोपहर मौसम ने करवट ली और आसमान में बादल छा गए। बूंदाबांदी हुई और फिर शाम तक आसमान में बादल छाए रहे। ठंडी हवा महसूस हुई और रात को बरसात हुई। सुबह तक 4.20 बरसात दर्ज हुई। इससे कुछ समय के लिए गर्मी से आंशिक राहत मिली लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक नहीं टिकी। शनिवार की सुबह मौसम बदला और धूप निकलने के साथ तापमान में वृद्धि होती चली गई। दोपहर को अधिकतम तापमान 39 डिग्री दर्ज किया गया। आने वाले समय में और वृद्धि होगी। उधर, दूसरी तरफ बरसात के कारण मंडियों में फसल भीग गई।

शोरूम की पार्किंग से गाड़ी चोरी, गार्ड पर शक

बहादुरगढ़। सेक्टर-6 थाना क्षेत्र में स्थित एक मोटर कंपनी के सर्विस सेंटर की पार्किंग से कार चोरी हो गई। वारदात के बाद से गार्ड गायब है। उसी पर चोरी का शक जताया गया है। पुलिस को दी शिकायत में साई मोटर्स टाटा ऑथराइज्ड सर्विस सेंटर के सर्विस हेड सुनील शर्मा ने कहा है कि उनके यहां एक टिगोर कार रस्टिंग वर्क के लिए आई थी। गत 16 अप्रैल को काम पूरा हुआ तो गाड़ी पार्किंग में खड़ी कर दी गई। शुक्रवार 17 अप्रैल को देखा तो गाड़ी गायब थी। इसके बाद फास्टैग की स्टेटमेंट चेक की तो पता चला कि 17 मार्च को तीन बजकर दस मिनट पर डाहर टोल पर टैक्स कटा है। फिर कैमरे चेक किए तो सामने आया कि 16 अप्रैल की देर शाम सात बजकर 55 मिनट पर गाड़ी पार्किंग से निकली है। उस दिन गार्ड गोविंद ड्यूटी पर था। तब से वह गायब है और उसका फोन नंबर भी बंद आ रहा है। उसी पर गाड़ी चोरी का शक है। उधर, पुलिस का कहना है कि शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। मामले में जांच की जा रही है।

घरों के बाहर अतिक्रमण स्वयं हटा लें : डीसी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने कहा कि नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग द्वारा स्वीकृत सभी लाइसेंसशुदा कॉलोनियों में यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा आंतरिक सड़कों अथवा सेक्टर सड़कों के राइट ऑफ वे में अतिक्रमण किया गया है तो उसे तुरंत प्रभाव से स्वयं हटा लें। अन्यथा जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। जिन नागरिकों ने स्टिल्ट प्लस चार निर्माण की अनुमति प्राप्त की है और उन्होंने भूमि तल पर अवैध निर्माण किया है, वे भी इसे तुरंत स्वयं हटाएं। उच्च न्यायालय द्वारा ऐसे निर्माणों पर रोक लगाई गई है। इसके अतिरिक्त रिहायशी प्लॉट्स के स्टिल्ट फ्लोर में किसी भी प्रकार का अवैध उपयोग, कब्जा अथवा निर्माण पूर्णतः प्रतिबंधित है।

राजकीय महिला महाविद्यालय में तृतीय वार्षिक दीक्षांत समारोह एवं चतुर्थ पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

गर्ल्स कॉलेज की 140 छात्राओं को मिली डिग्री, 80 का किया सम्मान

एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति प्रोफेसर डॉ. हेमंत वर्मा ने किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय में शनिवार को तृतीय वार्षिक दीक्षांत समारोह एवं चतुर्थ पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। प्राचार्या अलका गुलाटी की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम में लगभग 140 छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की गईं तथा लगभग 80 छात्राओं को विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि एसजीटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति प्रोफेसर डॉ. हेमंत वर्मा ने छात्राओं को जीवन में अनुशासन, परिश्रम एवं स्पष्ट लक्ष्य निर्धारण का महत्व समझाया।

बहादुरगढ़। डिग्री प्राप्त करने वाली छात्राओं के साथ अतिथि, प्रिंसिपल व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने बताया कि शिक्षा केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं, बल्कि यह व्यक्तित्व निर्माण और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का माध्यम भी है। विशिष्ट अतिथि के रूप में जगन्नाथ विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. पूनम मलिक ने छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने तथा सकारात्मक सोच के साथ समाज में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्या अलका गुलाटी ने सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए महाविद्यालय की शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सह-शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की संयोजक संगीता गोयल एवं सह संयोजक डॉ. सुदेश राठी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित व प्रोत्साहित किया गया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रभावित किया। डॉ. सुदेश राठी द्वारा सभी अतिथियों, प्रतिभागियों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

दो बैठकों में कोरम पूरा नहीं होने के कारण बजट प्रस्ताव अटका

उपाध्यक्ष से नाराज 28 पार्षदों ने किया बजट बैठक का बहिष्कार, केवल तीन ही पहुंचे

- 13 फरवरी को 24 निर्वाचित पार्षदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया था
- अब 20 अप्रैल को तीसरी बार बजट की विशेष बैठक बुलाई गई
- लगातार तीन बैठकों में न आने पर सदस्यता पर संकट आ सकता है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

नगर परिषद की शनिवार को बुलाई गई बजट बैठक में 31 में से 3 ही निर्वाचित पार्षद पहुंचे। ऐसे में लगातार दूसरी बार यह बजट बैठक नहीं हो पाई। इससे पहले 13 फरवरी को भी 24 निर्वाचित पार्षदों ने बजट बैठक का बहिष्कार कर दिया था। अब एक बार फिर सोमवार 20 अप्रैल को तीसरी बार बजट की विशेष बैठक बुलाई गई है। इसे लेकर पार्षदों में तमाम तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

शनिवार को प्रधान सरोज राठी की अध्यक्षता में बुलाई गई बजट बैठक में निर्वाचित पार्षदों में से केवल पालेराम शर्मा, राजेश तंवर और नीना राठी ही पहुंचे। मनोनीत पार्षदों में भीम सिंह प्रणामी भी बैठक में मौजूद रहे।

ईओ संजय रोहिल्ला, सचिव प्रवीण छिकारा, एक्सईएन भारत भूषण और एमई जोगेंद्र सिंधु आदि पार्षदों का इंतजार करते रहे, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। इससे पहले 13 फरवरी को बुलाई गई नगर परिषद की बजट बैठक में 31 निवार्चित पार्षदों में से 7 ही पहुंचे थे। तब कोरम पूरा नहीं होने की वजह से बैठक निरस्त हो गई थी। लेकिन शनिवार की बैठक स्थगित कर सोमवार को फिर से बुलाई गई है। ऐसे में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

चूंकि लगातार तीन बैठकों में गैर हाजिर रहने पर पार्षद की सदस्यता पर संकट आ सकता है। इसीलिए लगता है कि पार्षदों को उनकी सदस्यता बचाने के लिए बैठक में आने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

बहादुरगढ़। पार्षदों के बहिष्कार के कारण बैठक में खाली पड़ी कुर्सियां।

बैठक में आकर चर्चा करनी चाहिए

कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला ने बताया कि शनिवार को प्रधान के अलावा 3 निर्वाचित व एक मनोनीत पार्षद के ही बैठक में आने के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। सोमवार को फिर से बैठक बुलाई गई है। सभी सदस्यों को बैठक में आकर बजट पर चर्चा करनी चाहिए।

149 करोड़ आय का अनुमान

बता दें कि नगर परिषद ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 149 करोड़ 44 लाख 25 हजार रुपये की आय का अनुमान लगाया है। इसके अनुसार सरकारी ग्रांट से 72 करोड़ 60 लाख, टैक्स से 14 करोड़ 35 लाख, स्टॉम्प ड्यूटी व सैस से 23 करोड़ 51 लाख, किराये से 51 लाख, दुकानों की बिक्री से 4 करोड़ 11 लाख, विकास शुल्क से 9 करोड़ 27 लाख, बिल्डिंग फीस से 3 करोड़, अन्य ग्रांट से साढ़े 12 करोड़ 90 लाख और ब्याज से 4 करोड़ रुपए की आय होगी। हालांकि एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक बहादुरगढ़ नगर परिषद की आय 137 करोड़ 74 लाख 23 हजार 791 हुई है।

148 करोड़ के खर्च का बनाया बजट

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 148 करोड़ 50 लाख रुपए के खर्च का बजट बनाया गया है। इसमें वेतन आदि पर 21 करोड़ 45 लाख, बिजली बिल, फर्नीचर व प्रचार आदि पर साढ़े 6 करोड़ 10 लाख, सफाई आदि कार्यों पर करीब 44 करोड़ 91 लाख, पार्कों, कम्युनिटी सेंटर, स्ट्रीट लाइट व नालों की रिपेयर पर 23 करोड़ 13 लाख और विकास कार्यों पर 35 करोड़ 67 लाख खर्च होंगे। जबकि गत वित्त वर्ष के लिए 111 करोड़ 47 लाख 90 हजार रुपये का बजट स्वीकृत हुआ था। इसमें 115 करोड़ 44 लाख 81 हजार खर्च हो चुके हैं।

शिशु तस्करी मामले में 3 बच्चे हो चुके बरामद

जन्म देने वालों ने छोड़ा, अब पालने वालों से भी बिछड़ रहे

- अब तक 12 लोगों की गिरफ्तारी हुई और 60 से अधिक बच्चों की खरीद फरोख्त की बात सामने आई
- तीन वर्ष पहले बेचे गए बच्चे को भी किया बरामद, अब रेवाड़ी चाइल्ड एडॉप्शन सेंटर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

पैसों की अंधी दौड़ ने इंसानियत को इस कदर कुचल दिया कि नवजात मासूम केवल सौदे की वस्तु बन गए। किसी ने जन्म देकर बेचा, किसी ने दलाली में मुनाफा कमाया और किसी ने अपनी ख्वाहिश पूरी करने के लिए मासूमों की जिंदगी खरीद ली। वर्षों से चल रहे इस शर्मनाक खेल का अब पर्दाफाश हो रहा है। मानवता शर्मसार करने वाले सलाखों के पीछे जा रहे हैं लेकिन इन सबके बीच सबसे दर्दनाक पहलू वे बच्चे हैं, जिन्हें पहले जन्म देकर छोड़ा गया और फिर जिन कथित नए माता-पिता की दुनिया बने, उनसे भी जुदा होना पड़ रहा।

शिशु तस्करी केस में अब तक 12 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है और 60 से अधिक बच्चों की खरीद फरोख्त की बात सामने आ चुकी है। अब तक कुल तीन बच्चे बरामद हो चुके हैं। इन्हें तब बेचा गया, जब ठीक से इनकी आंख तक नहीं खुली थी। तीनों को रेवाड़ी स्थित चाइल्ड एडॉप्शन सेंटर भेजा जा चुका है। बरामद तीसरा बच्चा करीब तीन साल का है। वर्ष-2023 में इसको बेचा गया था। इस बच्चे को जन्म देने वाले माता-पिता कौन हैं, इस बारे में अभी पुलिस ने कुछ सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन सामने आया है कि खरीदने वाले के पास पहले से एक बच्चा था जो मंदबुद्धि था। फिर संतान नहीं हुई तो इस बच्चे को लिया।

इस मासूम ने जन्म देने वालों को तो नहीं देखा और जिसे वह माता-पिता मान रहा था, उनसे भी अब जुदा हो गया। इससे पहले एक बच्चा तीन दिन का तो दूसरा पांच साल का बरामद हुआ है। ऐसे कई और बच्चे भी होंगे, जिनकी उम्र तीन से पांच या इससे अधिक होगी। अपराध, कानून सहित अन्य पहलुओं से परे होकर बात करें तो सबसे अधिक मार इन बच्चों पर ही पड़ रही है। पहले जन्म देने वाले माता पिता ने पैसों की चाह में उन्हें बेचा और फिर तस्करों ने उन्हें किसी अन्य की गोद में डाल दिया। जन्म देने वालों का प्यार तो मिला नहीं, लेकिन जब गोद लेने वालों से ममता मिलनी शुरू हुई तो उनसे भी जुदा होना पड़ रहा है। इतने साल तक किसी के साथ रहना, उन्हें माता-पिता समझना और फिर जुदा होना, उनकी मनोदशा पर क्या प्रभाव डालेगा, ये सोचने का विषय है। कुल मिलाकर बात यही है कि पैसों के लालच में अंधे हुए लोगों ने मानवता के साथ बहुत घिनौना कृत्य खेला है।

कैप्टन पद पर पदोन्नत हुए डॉ. साहिल काकरान

झज्जर। सेना अधिकारियों के साथ डॉक्टर साहिल काकरान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

स्थानीय सुभाष नगर निवासी डॉक्टर साहिल काकरान को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट से कैप्टन पद पर पदोन्नत किया गया है। वर्तमान में वे मिलिट्री अस्पताल अंबाला में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि से परिवार व क्षेत्र में खुशी का माहौल है। डॉक्टर साहिल काकरान के पिता राजेश कुमार मातनहेल स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में अध्यापक के पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता चंद्रा देवी गांव खुड्डन स्थित सरकारी स्कूल में अध्यापिका हैं। सेवानिवृत्त प्राचार्य राजबीर दहिया ने डॉक्टर साहिल काकरान की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पीएनजी पर ओवरलोड चार्ज वापस लेने से उपभोक्ताओं को राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

- 50 प्रतिशत से अधिक उपयोग पर 89.92 रुपये का ओवरलोड चार्ज कंपनी ने लगाया था

शहर में पीएनजी गैस के बढ़े हुए दाम और ओवरलोड चार्ज को लेकर चल रही समस्या का समाधान हो गया है। हरियाणा सिटी गैस प्राइवेट लिमिटेड ने ओवरलोड चार्ज वापस ले लिया है, जिससे उद्योगों और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिली है। दरअसल, कंपनी ने गैस की कीमत 57.92 रुपये से बढ़ाकर 63.92 रुपये कर दी थी और 50 प्रतिशत से अधिक उपयोग पर 89.92 रुपये का ओवरलोड चार्ज लगाया गया था। इसकी गणना प्रतिदिन के आधार पर होने से उपभोक्ताओं और उद्योगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस मुद्दे को लेकर बीसीसीआई व फुटवियर पार्क एसोसिएशन ने केंद्र और राज्य स्तर के नेताओं व अधिकारियों को पत्र लिखे तथा कई बैठकों में मामला उठाया। छिकारा ने बताया कि लगातार प्रयासों और प्रशासनिक अधिकारियों से बातचीत के बाद कंपनी ने ओवरलोड चार्ज हटाने का निर्णय लिया। यह निर्णय सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। इसके लिए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल, एसडीएम अभिनव सिवाच आदि अधिकारियों का आभार जताया। अब उपभोक्ताओं को पहले से तय दरों के अनुसार ही गैस बिल मिलेगी, जिससे उद्योगों को राहत मिलेगी।

कजाकिस्तान में दम दिखाएंगे जिले के राजू और हरप्रीत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

कजाकिस्तान में होने वाली एशियाई प्रशांत बधिर ताइक्वांडो चैंपियनशिप में झज्जर जिले के राजू व हरप्रीत दम दिखाएंगे। एशियाई प्रशांत बधिर खेलों के लिए महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित आनंद दिघे केडीएमसी हॉल में ट्रायल हुए। ट्रायल्स में देशभर के बधिर खिलाड़ियों ने भाग लिया। ताइक्वांडो के पर्यवेक्षक के रूप में अनित भगत मौजूद रहे। ताइक्वांडो स्पर्धा में हरियाणा की ओर से एनआईएस कोच विशाल चतुर्भुज के नेतृत्व में टीम ने भाग लिया। लड़कों के 58 किलोग्राम वर्ग में राजू और 54 किलोग्राम वर्ग में हरप्रीत सिंह का चयन एशियाई प्रशांत बधिर खेलों के लिए हुआ है। वहीं, लड़कियों में पंचकूला की छवि सिंह ने भी अपना स्थान पक्का किया। चयनित खिलाड़ी अब एक से सात जून 2026 तक कजाकिस्तान गणराज्य में प्रस्तावित द्वितीय एशियाई प्रशांत बधिर खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर नेहरू कॉलेज में छाई खुशी व मुस्कान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग की छात्रा खुशी यादव तथा मुस्कान ने यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। खुशी ने जून 2025 तथा दिसंबर 2025 में दो बार नेट परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य दलबीर सिंह ने दोनों छात्राओं, उनके अभिभावकों और वाणिज्य विभाग के प्राध्यापकों को बधाई दी। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉक्टर प्रियंका ने बताया कि विभाग में नियमित कक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी मार्गदर्शन दिया जाता है। छात्राओं ने इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता तथा गुरुजनों को दिया। वे भविष्य में उच्च शिक्षा एवं शोध के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहती हैं। इस अवसर पर डॉक्टर श्रीकृष्ण दूहन, जितेंद्र, अंजू देवी, अंकुर, सारिका और निहारिका उपस्थित रहे।

संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए किया जागरूक

अक्षय तृतीय को लेकर बाजार में रही रौनक, आज अबूझ साहा

अक्षय तृतीय पर शादी के लिए दो-तीन माह पहले हो चुकी है बैंक्वेट, बैंड व हलवाइयों की एडवांस बुकिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

अक्षय तृतीया पर्व को लेकर शनिवार को शहर के बाजार में भीड़ रही। कपड़ों, आभूषणों और पूजन सामग्री की दुकानों पर लोगों ने जमकर खरीददारी की। बाजार में बढ़ी रौनक को लेकर व्यापारियों के चेहरे खिले दिखाई दिए।

मिष्ठान भंडार संचालक पवन सैनी ने बताया कि अक्षय तृतीया के मौके पर मिठाइयों की मांग में तेजी आई है और लोगों ने पहले से ही ऑर्डर बुक करवा लिए हैं। ब्रास बैंड संचालक शैलेष कांगड़ा ने कहा कि यह अबूझ साहा है इसलिए अक्षय तृतीया को लेकर लोगों द्वारा करीब ढाई माह पहले ही बुकिंग कराई जा चुकी है। फूल विक्रेता और गाड़ी सजावट का काम करने वाले देवा ने बताया कि विवाह और अन्य मांगलिक आयोजनों के चलते फूलों की मांग भी बढ़ी है। लोग अपनी गाड़ियों को आकर्षक ढंग से सजवाने के लिए बुकिंग करा रहे हैं। रविवार को शहर में एक सौ से अधिक गाड़ी सजाए जाने की उम्मीद है।

झज्जर। बाल विवाह की रोकथाम संबंधी शपथ दिलाते हुए मनोज कुमार।

कई गांवों में चलाया अभियान

अक्षय तृतीया पर संभावित बाल विवाहों की रोकथाम के लिए एमडीडी ऑफ इंडिया संस्था ने जिला प्रशासन के सहयोग से सतर्कता दिवस मनाया। कार्यक्रम में शिक्षा, महिला एवं बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग ने सक्रिय भागीदारी निभाई। शनिवार को क्षेत्र के गांव डीघल, बेरी, महराणा, दुजाना, दूबलधन, मातन, खरहर, गांगटान, बरहाना, जहाजगढ़ सहित विभिन्न गांवों में जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, आंगनबाड़ी वर्कर व आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर ग्रामीणों को बाल विवाह के दुष्परिणामों बारे जागरूक करते हुए उन्हें रोकथाम संबंधी शपथ दिलाई गई। बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी करमिंद्र कौर ने लोगों से बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस कुप्रथा का विरोध करने का आह्वान किया। वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शिल्पा मेहता ने आशा व एएनएम कार्यकर्ताओं को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

निवेश के नाम पर महिला से 4.88 लाख रुपये ठगे

बहादुरगढ़। साइबर ठगों ने आदित्य बिड़ला सनलाइफ एएमसी लिमिटेड के नाम का दुरुपयोग कर एक महिला से 4.88 लाख रुपये ठग लिए। साइबर क्राइम थाना झज्जर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रोहद नगर की निवासी कमलेश का कहना है कि जनवरी में उनके पास फोन आया। कॉल करने वाली महिला ने खुद को कंपनी की प्रतिनिधि बताते हुए अपना नाम दीया मेहरा बताया। उसने नई निवेश पॉलिसी का हवाला देते हुए भारी मुनाफे का प्रलोभन दिया। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपियों ने भरोसा दिलाने के लिए कंपनी के आधिकारिक लोगो और पते भी साझा किए। झांसे में आकर उन्होंने अलग-अलग तारीखों में चार लाख 88 हजार 400 रुपये यूपीआई और आरटीजीएस के माध्यम से विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। बाद में रकम नहीं निकली तो ठगी का पता चला।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

केवल धरती पर ही जीवन संभव है, यह जानने के बावजूद जाने-अनजाने हम धरती को तरह-तरह से नुकसान पहुंचा रहे हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक मानते हैं कि सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह धरती को बचाना किसी एक सरकार या संगठन का काम नहीं, बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है। हमें जागरूक होना होगा, बदलाव के छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए हम अपनी प्यारी धरती को सुरक्षित रख पाएंगे।

विशेषः पृथ्वी दिवस
22 अप्रैल

हम सब मिलकर बचाएं अपनी प्यारी धरती

आवरण कथा / रजनी अरोड़ा

धरती जीवन का आधार है, जो एक निःस्वार्थ मां की तरह मानव के लिए अनुकूल, सुंदर प्राकृतिक वातावरण ही प्रदान नहीं करती। उसकी मूलभूत जरूरतें (भोजन, पानी, हवा, वस्त्र, घर) भी मुहैया कराती है। विडंबना है कि मनुष्य अपने विकास और सुख-सुविधाएं पाने की अंधाधुंध दौड़ में जाने-अनजाने इसी धरती को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा रहा है। दिनों-दिन बढ़ते मानव अतिक्रमण की वजह से जहां प्राकृतिक संसाधनों की निरंतर कमी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं कई घरेलू-व्यावसायिक कार्य-कलाप वायुमंडल में कार्बन उत्सर्जन यानी कार्बन डाई-ऑक्साइड और अन्य ग्रीन हाउस गैसों का लेवल निरंतर बढ़ाने में जिम्मेदार हैं। नासा और इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की रिसर्च के अनुसार पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसका असर केवल प्रकृति पर ही नहीं, बल्कि खेती, पानी, मानव स्वास्थ्य और जीव-जंतुओं के जीवन पर भी पड़ रहा है। इन संकटों से अपनी धरती को बचाने के लिए हम सभी को अपने स्तर पर हर संभव प्रयास करने होंगे।

पर्यावरण की करें सुरक्षा

धरती को बचाने के लिए सबसे जरूरी है पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होना, अच्छी आदतें अपनाना, बच्चों और दूसरों को भी प्रेरित करना। परिवार में ग्रीन रूल बनाएं और उन्हें अमल करने के लिए सजग रहें। पर्यावरण नीतियों को लेकर सचेत रहें। अपने इलाके में हरित नीतियां (पेड़ लगाने, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक परिवहन सुधार) लागू करवाने की मांग करें। पर्यावरण संगठनों से जुड़ें।

घर को बनाएं ग्रीन होम

घर में ऊर्जा की खपत, कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा कारण है। ऊर्जा संरक्षण के लिए जब जरूरत न हो तो कमरे की लाइट, पंखे बंद कर दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब यूज न कर रहे हों तो स्विच ऑफ कर दें। स्टैंडबाय में भी बिजली खर्च होती है। दिन में प्राकृतिक रोशनी का अधिक उपयोग करें। साधारण बल्ब की तुलना में एलईडी बल्ब 75 प्रतिशत कम बिजली खर्च करता है और 10 गुना अधिक चलता है। यह छोटा बदलाव बिजली का बिल कम करता है और कार्बन उत्सर्जन भी। पुराने एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन बहुत अधिक बिजली खर्च करते हैं। 5 स्टार रेटिंग वाले उपकरण खरीदें। इनसे 30-40 प्रतिशत बिजली बचती है। घर की छत पर सोलर पैनल लगवाना या किसी अक्षय ऊर्जा प्रदाता की मदद से बिजली लेना काफी कारगर है। यह वन-टाइम इंवेस्टमेंट है, जो आने वाले तकरीबन 25 साल तक मुफ्त बिजली देता है। सरकार इसमें सब्सिडी भी देती है। एसी को 24-25 डिग्री पर ही चलाएं। हर एक डिग्री कम करने पर 6 प्रतिशत अधिक बिजली खर्च होती है।

घर की एयर सीलिंग यानी दरवाजों और खिड़कियों की दरारें बंद करना, ऊर्जा बचत का सबसे किफायती तरीका है। इससे गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्माहट बनी रहती है और हीटिंग-कूलिंग का खर्च 15-30 प्रतिशत तक कम हो जाता है। घर में गैस या कोयले की जगह इलेक्ट्रिक हीट पंप लगाने से कार्बन फुटप्रिंट में 100 किलो कार्बन डाई-ऑक्साइड प्रति वर्ष की कमी आ सकती है। वॉशिंग मशीन हमेशा फुल लोड पर चलाएं। पानी का टेंपरेचर नॉर्मल रखें। पानी गर्म करने में एनर्जी की खपत 75-90 प्रतिशत बढ़ जाती है यानी बिजली का बिल बढ़ जाता है। इसी तरह कपड़े क्लॉथ-ड्रायर में सुखाने के बजाय बाहर धूप या खुली हवा में सुखाएं, क्योंकि वॉशिंग मशीन का क्लॉथ-ड्रायर घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों (जैसे- फ्रिज, टीवी, डिशवॉशर, एसी, लैपटॉप से कहीं ज्यादा बिजली खर्च करता है।

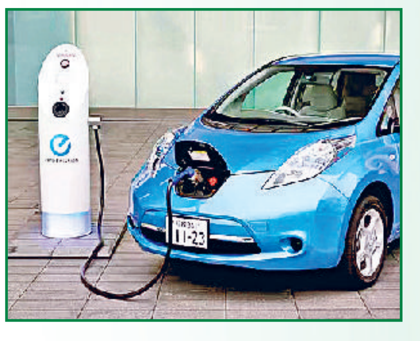

भोजन ना करें वेस्ट

दुनिया के कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में लगभग 26 प्रतिशत भाग खाद्य उत्पादन का रहता है। इसलिए खाने को वेस्ट ना करें। दुनिया में उत्पादित खाने का एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद होता है। यानी खाद्य पदार्थ उगाने में लगा पानी, बिजली और मेहनत, सब बेकार। ऐसे में जरूरत के अनुसार ही खाना बनाना चाहिए। अगर खाना बचता भी है तो उसे फेंकने के बजाय अगले मील में खा लें या जरूरतमंद को दे दें।

सिंगल-यूज प्लास्टिक है हार्मफुल

आज प्लास्टिक-प्रदूषण की समस्या बहुत गंभीर हो चुकी है। इससे बचने के लिए सिंगल-यूज प्लास्टिक की चीजों (पॉलिथीन, प्लास्टिक कप, स्ट्रॉ, बर्तन) का प्रयोग कम से कम करें। कपड़े का थैला, स्टील की बोतल और हर्बल टूथब्रश अपनाएं। पानी के लिए रियूज होने वाली बोतल का इस्तेमाल करें।

कार्यस्थल में रखें ध्यान

अपने कार्यस्थल पर भी छोटे-छोटे प्रयासों से धरती को संरक्षित करने में अपना सहयोग आप दे सकते हैं। एंवॉयर्नमेंट फ्रेंडली सामग्री, एलईडी लाइट, ऊर्जा बचाने वाले उपकरण और कचरे का उचित प्रबंधन वाले उपकरणों का यूज करें। कागज की जगह डिजिटल दस्तावेज उपयोग करें। प्रिंट करना जरूरी हो तो पेपर के दोनों तरफ प्रिंट करें। व्यावसायिक मुद्दों पर परिचर्चा करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग को बढ़ावा दें ताकि समय और ऊर्जा की बचत हो। ऑफिस जाने के लिए अकेले कार ड्राइव करके जाने के बजाय कारपूल की आदत डालें। यानी एक गाड़ी में 4 लोग जाएं तो कार्बन उत्सर्जन 75 प्रतिशत कम होता है। मेट्रो, बस, ट्रेन जैसे सार्वजनिक परिवहन में सफर करें। अगर नई गाड़ी खरीदनी हो तो इलेक्ट्रिक वाहन खरीदें। इसमें सब्सिडी भी मिलती है। इससे पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता तो कम होगी ही, प्रदूषण भी कम होगा। कम दूरी के लिए साइकिल या पैदल चलने की आदत डालें। पर्यावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य के लिए भी बेहतरीन है।

अधिक से अधिक पेड़ लगाएं

पेड़-पौधे धरती को खूबसूरत हरा-भरा ही नहीं बनाते, भूमि में कटाव कम कर मजबूती लाने, भूमि की उर्वरता बढ़ाने, पर्यावरण को प्रदूषण रहित रखने में भी मदद करते हैं। हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देते हैं और अपने जीवनकाल में तकरीबन 1 टन कार्बन डाई-ऑक्साइड सोखते हैं। आप अपने जन्मदिन, शादी की सालगिरह या किसी भी खास मौके पर पेड़-पौधे लगाने की परंपरा शुरू कर सकते हैं। कॉरपोरेट ट्री प्लांटेशन ड्राइव में शामिल होकर विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे लगाकर ऑफिस कंपाउंड में हरियाली बढ़ाएं। हमारे ऐसे प्रयासों से भी धरती पर हरियाली बढ़ेगी। *

जल संरक्षण भी है जरूरी

जलवायु परिवर्तन से पानी का संकट भी धरती पर बढ़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों समेत भारत के कुछ राज्यों में भी भूजल स्तर तेजी से गिर रहा है। जल संरक्षण के लिए भी हम कुछ प्रयास कर सकते हैं। जैसे-ब्रश करते समय नल बंद रखना, कम समय में नहाना और टपकते नलों को ठीक करवाना। ऐसी छोटी-छोटी आदतें मिलकर हजारों लीटर पानी बचा सकते हैं। घर की छत पर वर्षा जल संग्रह प्रणाली लगाएं। यह पानी बगीचे, गाड़ी धोने और फ्लश के लिए उपयोग हो सकता है। बाजार में ऐसे नल उपलब्ध हैं, जो 50 प्रतिशत तक कम पानी उपयोग करते हैं लेकिन दबाव उतना ही रहता है। इससे पानी की बचत होती है। दुनिया के समुद्रों, नदियों में बेशुमार प्लास्टिक जमा हो चुका है। धरती पर मौजूद जल को संरक्षित करने के लिए हमें सजग होना होगा।

केवल एक दिन ही नहीं रोज मनाएं पृथ्वी दिवस

विगत कई दशकों से हम जाने या अंजाने अपनी धरती को नुकसान पहुंचाते आ रहे हैं। आज धरती के अस्तित्व पर ही संकट मंडराने लगा है। ऐसे में अब यह हमारी ही जिम्मेदारी है कि पृथ्वी संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करें। हर वर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, हम सबको यही संदेश देता है।

अवेयरनेस / लोकमित्र गौतम

धरती हम सभी के जीवन का आधार है। लेकिन विडंबना देखिए कि हम सब धरतीवासी इसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में हर साल 22 अप्रैल को मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस, केवल एक तारीख भर नहीं है बल्कि समूचे मानव समुदाय को एक चेतावनी और सामूहिक संकल्प का प्रतीक भी है।

इस दिन की महत्ताः पृथ्वी दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास की अंधी दौड़ में हम अपनी जड़ों को ही नष्ट करते जा रहे हैं। बढ़ता प्रदूषण, घटते जंगल और दिनोंदिन डराता जलवायु परिवर्तन, ये सब संकेत हैं कि हमें अपनी सोच और पृथ्वी मां के साथ किए जाने वाले अपने व्यवहार को बदलने की जरूरत है। पृथ्वी दिवस हमें इस बात की भी प्रेरणा देता है कि हमारे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़ी-बड़ी जिम्मेदारियां आसानी से निभ सकती हैं ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक सुरक्षित पृथ्वी, एक स्वच्छ वातावरण और संतुलित पर्यावरण मिल सके।

पृथ्वी दिवस की शुरुआतः पृथ्वी दिवस की शुरुआत पिछली सदी में 1970 में हुई थी। इसके पीछे उस समय की वैश्विक स्थितियां जिम्मेदार हैं। सन् 1960 के दशक में अमेरिका सहित दुनिया के कई हिस्सों में औद्योगीकरण तेजी से बढ़ रहा था, लेकिन पर्यावरण संरक्षण पर कोई खास ध्यान नहीं दिया जा रहा था। नदियां प्रदूषित हो रही थीं, हवा दिन पर दिन जहरीली हो रही थी और जैव-विविधता लगातार खतरे में थी। इसी सबको देखते हुए अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 22 अप्रैल 1970 को पृथ्वी दिवस का आयोजन किया। इस दिन करीब 2 करोड़ लोग सड़कों पर उतरे और पर्यावरण संरक्षण की मांग की। यह एक ऐतिहासिक जन-आंदोलन बन गया। इसके बाद धीरे-धीरे यह विभिन्न वैश्विक अभियानों में बदल गया और आज दुनिया भर के 190 से ज्यादा देश पृथ्वी दिवस मनाते हैं।

अधिक प्रासंगिक है आजः पृथ्वी दिवस की प्रासंगिकता, इसके शुरू किए जाने के समय से कहीं ज्यादा आज है। हम जिन समस्याओं विशेषकर पर्यावरणीय समस्याओं का आज सामना कर रहे हैं, इससे पहले ये कभी इस कदर भयानक नहीं थीं। बढ़ते तापमान, पिघलते ग्लेशियर आज जलवायु परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण हैं। दिल्ली जैसे शहरों की हवा प्रदूषण के कारण इस कदर जहरीली है कि दुनिया के कई स्वास्थ्य संगठन कह चुके हैं कि दिल्ली में पूरी जिंदगी गुजारने का मतलब है, अपनी जिंदगी के 10 साल कम कर लेना। लगभग यही हाल जल संकट के मामले में भी है। किसी एक देश में नहीं बल्कि पूरी दुनिया आज जल संकट से गुजर रही है। अगर बात वनों के विनाश या जैव-विविधता के नुकसान की करें तो जितना कहें, वह कम होगा। तमाम चेतावनियों और वैज्ञानिक अध्ययनों से निकले निष्कर्षों के बावजूद हर साल दुनिया से लाखों हेक्टेयर जंगल खत्म हो रहे हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है।

वैश्विक है संकटः पृथ्वी में हर तरीके के सकारात्मक वातावरण के क्षरण का यह संकट किसी एक देश का संकट नहीं है, दुनिया के हर हिस्से में यही हो रहा है। अपवाद के तौर पर अगर कुछ देश इस विनाश के हिस्सेदार नहीं हैं, तो दूसरों के कारण उन्हें इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। जहां तक अपने देश भारत का सवाल है, तो हमारे यहां तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण पर्यावरण पर बहुत गहरा दबाव है। खेती में रासायनिक उर्वरकों की अधिकता और लगातार मिट्टी के अनुर्वरक होते जाने के कारण फसलों का खाद पर ज्यादा से ज्यादा निर्भर होते जाना, जहां चाहकर भी मृदा प्रदूषण से हम बच नहीं सकते, वहीं नदियों का प्रदूषण भी दिनोंदिन गहराता जा रहा है। हालांकि हाल के दिनों में हमारे देश में कई सकारात्मक पहलें भी देखने को मिली हैं। मसलन सौर ऊर्जा मिशन के बढ़ते कदम, प्लास्टिक प्रतिबंध के आधे-अधूरे ही सही पर लगातार बार-बार चलाए जाने वाले अभियान, किचन गार्डेनिंग और ऑर्गेनिक खेती के हो रहे प्रयास, ये दिखाते हैं कि अगर इच्छाशक्ति हो तो धरती को बर्बाद होने से हम सब सामूहिक प्रयासों से बचा सकते हैं।

छोटे कदम भी हैं महत्वपूर्णः पृथ्वी दिवस की सार्थकता तभी होगी, जब हर आदमी आगे बढ़कर इसके संरक्षण में अपना योगदान देगा। अगर हम लोग संकल्प ले लें कि रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, पानी, बिजली की अंधाधुंध बर्बादी नहीं करेंगे, पेड़ लगाएंगे और लगे हुए पेड़ों की देखभाल करेंगे, तो इतना भर करने से ही पृथ्वी के सामने जो समस्याएं मुंह बाए खड़ी हैं, इनमें से आधी खत्म हो जाएंगी और अगर सरकार, विभिन्न संस्थाएं और समाज इसके विरुद्ध उठ खड़ा हो तब तो तमाम परेशानियों से मुक्त हो सकते हैं। *

कविता / घमंडीलाल अग्रवाल

मेरा गांव

मिट्टी में मुक्तक मिलते हैं
गलियों-गलियों गीत,
गाय-भैंस के रंभाने में
कविता और अगीत।
छप्पर ऊपर की खपरैलें
अर्पण करती लेख,
टेढ़ी पगडंडियां खींचती
उपन्यास की रेख।
जन-जन की बोली उपजाती
मधुर हास्य की गंध,
पहनावों में पहेलियों के
कई संकलन बंद।
नूतन प्रेमकथा देने की
पनघट ने ली ठान,
शेर, गजल, गीतिका लुटाती
अधरों की मुस्कान।
यहां रहट की ध्वनियां देतीं
एकांकी के भाव,
लेखक, कथाकार, कवि, शायर
लोगों, मेरा गांव।

व्यंग्य / पूरन सरमा

बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा।

त्याग दीजिए नैतिकता

हालांकि आप अब तक नैतिकता का त्याग कर ही चुके होंगे, लेकिन यदि नहीं किया है तो नेक सलाह मानकर इसे अविलंब त्यागिए। इसमें बंधे रहना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। त्याग और बलिदान का युग नहीं है यह। यह युग घोर स्वार्थ-परकता, अन्याय, छल, कपट तथा प्रपंच का है। आपने थोड़ी-सी भी शालीनता बरती कि गए काम से। नैतिकता से आदमी में निष्ठा, लगन व मेहनत के भाव जन्म लेते हैं और ये भाव अब गिर चुके हैं। इन भावों को अपनाने से आदमी का पतन होता है तथा लोककल्याण की चक्की में पिसकर नष्ट हो जाता है। श्रद्धा, आदर्श, परोपकार एवं ईमानदारी जैसे शब्द अब महत्त्व खो चुके हैं। इनके अर्थ समझने की कोशिश मत करिए। वैसे तो शब्दकोषों के जो नए संस्करण आएंगे, उनमें आपको ये शब्द ही नहीं मिलेंगे। इसलिए नैतिकता को त्यागिए और स्वार्थ की अंधी दौड़ में शरीक हो जाइए, तब तो आपकी नैया इस भवसागर से पार हो जाएगी, अन्यथा इसी में डुबकी लगाते रहेंगे।

दफ्तर में जिस व्यक्ति के पास जरा-सी भी नैतिकता है, बस वही तकलीफ पा रहा है। वर्ना दूसरे तमाम लोग बाहर गुमटियों पर चाय-समोसे उड़ा रहे हैं, पान की पीकें उगल रहे हैं। आपने ही कौन-सा च्यवनप्राश खाया है, जो सारा कौशल दिखाकर पूरे दफ्तर के कार्य को निपटाना चाहते हैं। काम मत कीजिए, बस बात कीजिए। वेतन काम करने का नहीं, ऑफिस में हाजिरी लगाने का मिलता है, वह आप कर ही देते होंगे। काम करने के लिए घूस, रिश्वत तथा भेंट आदि का चलन है। भ्रष्टाचार किसलिए फैलाया गया है? बस इनका लाभ उठाइए। यह लाभ उठाने के लिए होता है, त्यागने के लिए नहीं। वेतन तो उन लोगों को भी यथासमय मिल रहा है, जो काम नहीं करते, फिर आपको कौन-सा हार्ड ड्यूटी एलाउंस मिल रहा है। यह आपकी नैतिकता ही तो है, जो आपको चैन नहीं लेने देती। नैतिकता बड़ी खराब है, जिसमें एक बार घुस जाए, निकलने का नाम ही नहीं लेती है। मेरी तमाम सज्जनों से अपील है कि वे आपनी सज्जनता को त्यागें। युग बड़ा खराब है, सब घात लगाए बैठे हैं। आपको गच्चा देने की फिराक में है दुनिया। दुर्जनता को अपनाइए, आपकी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। समस्याओं के पहाड़ तैयार करने हैं तो सज्जन बने रहिए। यकीन न हो तो अभी आप सज्जनता के पक्ष में जनमत संग्रह करवाकर देखिए, आप अकेले रह जाएंगे। अगर यह सोचते होंगे कि यूनियन बना लेंगे, तो यह भी दिवास्वप्न है। वैसे यूनियनबाजी सज्जन आदमी कर भी नहीं सकता। इसके लिए भी आपको घाट-घाट का पानी पीने के बाद सज्जनता का पाजामा हर हालत में उतार कर फेंकना होगा। जो आदमी युग की नब्ज नहीं पहचानता, वह पछताता है। यदि आप पछताने का चाव रखते हैं तो जरूर, नैतिकता को अपनाए रहें।

सज्जनता आपके भीतर होगी तो आप पब्लिक ट्रांसपोर्ट में कोई भी यात्रा आराम से नहीं कर सकेंगे। यात्रा के दौरान आपके पास जब भी कोई महिला आएगी तो खड़े होकर आप उसे बैठने को स्थान दे देंगे। अब आप खड़े रहिए, घंटे-दो घंटे। बस हो या रेल सब में दुर्जन यात्रा कर रहे हैं, वे आएंगे और किसी न किसी तरह आपकी सज्जनता का लाभ उठाकर आपकी सीट हथिया लेंगे। आप में शालीनता, विनम्रता और सदाशयता कूट-कूट कर जो भरी है, उसी का परिणाम है कि आप खड़े-खड़े परेशान होते रहेंगे और दूसरा सहयात्री पूरी सीट पर पांव फैलाकर बैठा रहेगा। आपकी हिम्मत नहीं होगी कि आप उससे यह कह दें कि वे अपने पांव समेट लें। काश, इस समय आपके पास दुर्जनता होती, लफंगई होती तो आपको सीट मिल जाती। शिष्टाचार इस युग की घोर बुराई है। आप बुराई अपनाते हैं तो यह मूर्खता नहीं तो और क्या है?

मेरी तो यही सलाह है कि आप में जो भी उच्च संस्कार बतौर इंसानियत के पैदा हो गए हैं, उन्हें अपने वैयक्तिक जीवन के हित संरक्षण के लिए अविलंब त्याग दीजिए। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

चंडीदत्त रचना-समग्र

अपने छोटे से जीवन में ही चंडीदत्त शुक्ल ने पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन में भी अलग पहचान बना ली थी। उनकी उपलब्ध अठहत्तर कविताओं, कहानियों और साक्षात्कार का संकलन 'चंडीदत्त रचना समग्र' पुस्तक के रूप में हाल में प्रकाशित हुआ है। इन रचनाओं से गुजरते हुए उनकी साहित्य की गहरी समझ और नई दृष्टि से रचने की प्रतिभा प्रमाणित होती है। 'जब मन का हर डर मर जाए', 'हंसती खेलती औरत', 'सो जाओ कि रात बहुत गहरी है' जैसी अनेक कविताएं और 'फिर आना अखिलेश और हंसना जोर-जोर से..', 'एक आंसू गुनगुनाता रहा रात भर' जैसी कहानियां उनके क्रिएटिव रेंज की तस्दीक करती हैं। पुस्तक में संकलित साक्षात्कार में उन्होंने अपने आरंभिक जीवन और साहित्यिक सरोकार पर बेबाक विचार भी व्यक्त किए हैं। साहित्य से आम लोगों की बढ़ती दूरी के बारे में चंडीदत्त के यह विचार ध्यान देने योग्य हैं, 'इन दिनों बहुतेरा साहित्य अमूर्त भाषा और भाव के साथ लिखा जा रहा है, जिससे जुड़ पाना सामान्य पाठक के बस का नहीं है।' *

पुस्तकः चंडीदत्त रचना-समग्र, **संपादकः** डॉ. शैलेंद्र नाथ मिश्र-राजेश ओझा, **मूल्यः** 299 रुपए, **प्रकाशकः** श्वेतवर्णा प्रकाशन, नई दिल्ली, नोएडा

लघुकथा / गोविंद भारद्वाज

मजदूर

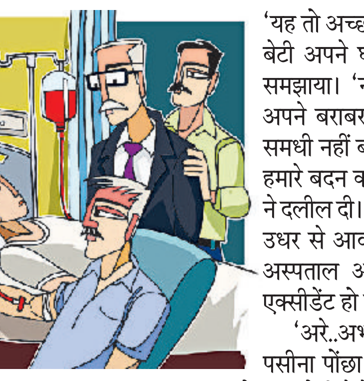

भाई साहब पिछले हफ्ते जिस लड़की को हम लोग देखने गए थे, उस लड़की का सिविल सेवा में चयन हो गया है। अब तो रिश्ता पक्का कर दीजिए।' गोपी बाबू के छोटे भाई ने कहा।

'नहीं छोटे, वह लड़की हमारे घर की कभी बहू नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने कहा।

'क्यों भैया क्या दोष है उस बच्ची में?' छोटे ने पूछा। 'दोष उसमें नहीं उसके पिताजी में है।' गोपी बापू ने पलटकर कहा। 'कौन सा दोष.. कैसा दोष भैया?' 'उसके पिताजी हमारे ही कारखाने में मजदूर हैं।' नथुने फुलाते हुए गोपी बापू ने कहा। इस पर छोटे ने कहा, 'यह तो अच्छी बात है। मेहनती बाप की मेहनती बेटी अपने घर की बहू बनेगी।' छोटे भाई ने समझाया। 'नहीं छोटे, हम अपने मजदूर को अपने बराबर नहीं बैठा सकते। उसको अपना समधी नहीं बना सकते। उसके पसीने की बदबू हमारे बदन का इत्र नहीं बन सकती।' गोपी बापू ने दलील दी। उसी समय मोबाइल की घंटी बजी। उधर से आवाज आई, 'हैलो गोपी बाबू, सिटी अस्पताल आ जाइए तुरंत। आपके बेटे का एक्सीडेंट हो गया है।'

'अरे..अभी आया।' गोपी बापू ने माथे का पसीना पोंछा फिर घबराते हुए अस्पताल भागे। अस्पताल पहुंचकर जो दृश्य गोपी ने देखा, उसे देखते रह गए। दरअसल, वही मजदूर उनके लड़के को अपना खून दे रहा था, जिसको वे अपने बराबर बैठाना नहीं चाहते थे। *

हो सकता है आपने कुछ नेशनल पार्क और वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की यात्रा की हो। लेकिन अगर आप दुनिया के सबसे अनूठे नेशनल पार्क का अनुभव लेना चाहते हैं तो आपको मणिपुर स्थित तैरते हुए नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ की यात्रा करनी होगी। इस अनोखे नेशनल पार्क की विशेषताओं के बारे में जानिए।

दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क कीबुल लामजाओ

टूरिस्ट प्लेस

समीर चौधरी

मणिपुर की लोकटक झील के दक्षिण हिस्से में कीबुल लामजाओ नेशनल पार्क यानी राष्ट्रीय उद्यान है, जोकि दुनिया का एकमात्र तैरता हुआ नेशनल पार्क है। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में, इंफाल से लगभग 50 किमी. की दूरी पर यह पार्क 40 वर्ग किमी. में फैला हुआ है और यह लुप्तप्राय संगाई हिरण (नृत्य करने वाला हिरण) का अकेला प्राकृतिक घर है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था (मत्स्य पालन, जल विद्युत) के लिए भी मायने रखता है।

जैव-विविधता से भरपूर: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, जैवविविधता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यह अपनी विशिष्ट तैरती फुमदिस और यहां खास तौर से पाए जाने वाले संगाई हिरण के लिए भी विख्यात है। फुमदिस सड़ी-गली वनस्पतियों, मिट्टी और जड़ों का तैरता हुआ समूह होता है। यह झील के पानी के ऊपर तैरता रहता है, जिसमें 450 से अधिक जलीय वनस्पतियों की प्रजातियां, जंगली सूअर, हॉग हिरण, बड़ी भारतीय सिवेट जैसे जीव पाए जाते हैं। नवंबर से मार्च के बीच इस पार्क में प्रवासी पक्षी भी आते हैं, इसलिए यात्रा करने का यही सबसे अच्छा समय माना जाता है।

अपने-आप में अनूठा राष्ट्रीय उद्यान: कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान, एक ऐसी जगह है, जहां प्रकृति ने अपने नियम नए सिरे से लिखे हैं, जिसकी वजह से नाजुक, तैरता हुआ एक अजूबा भूखंड बन गया है। इस अलौकिक लैंडस्केप में मणिपुर का नृत्य करने वाला संगाई हिरण घूमता हुआ दिखता है, जिसके तेज गति से दौड़ते कदम, तैरते घास के मैदान पर बहुत आकर्षक लगते हैं। एक जमाना था जब यह माना जाने लगा था कि संगाई हिरण विलुप्त हो गया है। ऐसे में यहां उनके बचे रहने की संभावना ने नई उम्मीद को जगाया है, दरअसल, अनोखी प्राकृतिक संरचना फुमदिस की स्थिरता का यहां के जीवों के लिए बहुत महत्व है। न सिर्फ हिरण के लिए बल्कि उस पूरे ईकोसिस्टम के लिए भी, जो पृथ्वी पर कहीं और है ही नहीं।

बढ़ रही नाचते हिरण की संख्या: सन् 1954 तक यह मान लिया गया था कि संगाई हिरण की प्रजाति लुप्त हो गई है। संगाई तैरते फुमदिस के अतिरिक्त कहीं भी जीवित नहीं रह सकता है। इसकी वजह शिकार और फुमदिस का खत्म होना माना गया। इसके लगभग दो दशक बाद सन् 1974-75 के बीच किए गए हवाई सर्वे के दौरान उम्मीद की किरण जागी। कीबुल लामजाओ के तैरते फुमदिस में लगभग 14 संगाई देखे गए, जिसकी वजह से इनके संरक्षण प्रयासों में नया जोश आया और सन् 1995 तक इनकी संख्या बढ़कर 155 हो गई, जो सन् 2016 में 260 तक पहुंच गई। तैरते फुमदिस पर संगाई की नजाकत भरी चाल ने ही इसे 'नाचते हिरण' का नाम दिया है।

इसलिए मिला राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा: संगाई की खोज के बाद ही भारत सरकार और मणिपुर की सरकार ने वन्यजीवन संरक्षण कानून 1972 के तहत 1977 में कीबुल लामजाओ को 'राष्ट्रीय उद्यान' (नेशनल पार्क) घोषित किया। संगाई हिरण और उसके प्राकृतिक आवास स्थल यानी फुमदिस के लिए यह कानूनी सुरक्षा जरूरी थी। संगाई केवल एक प्रजाति नहीं है बल्कि सांस्कृतिक जड़ों वाला पशु है, जिसने हजारों वर्षों के दौरान तैरते फुमदिस पर रहने के लिए खुद को ढाल लिया है और यह लैंडस्केप व मणिपुर के लोगों के बीच गहरे संबंध को प्रतिबिंबित करता है।

मौजूद हैं कई चुनौतियां: इस अनोखे राष्ट्रीय उद्यान के समक्ष कई इकोलॉजिकल चुनौतियां हैं। लोकटक हाइड्रोइलेक्ट्रिकल प्रोजेक्ट कृत्रिम रूप से पानी के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे फुमदिस चक्र बाधित होता है और यहां के तैरते हुए ईकोसिस्टम की स्थिरता के लिए खतरा उत्पन्न होता है। गौरतलब है कि कीबुल लामजाओ राष्ट्रीय उद्यान को परिभाषित करने वाला फीचर उसका तैरता इकोसिस्टम ही है, जो संगाई को जीवित रखने के लिए आवश्यक है। एक ताजा अध्ययन में मणिपुर के इस आइकॉनिक हिरण के भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। क्लाइमेट चेंज की वजह से 2070 तक फुमदिस सिकुड़ जाएगा और जब फुमदिस नहीं होगा, तो संगाई का अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा। *

फुमदिस से जुड़े दिलचस्प तथ्य

फुमदिस वनस्पति, मिट्टी आदि की तैरती हुई मोटी परत होती है, जोकि जलीय पौधों और अन्य चीजों से मिलकर हजारों वर्षों में तैयार होती है। यह संगाई एवं अन्य वन्यजीवों को चरने की जगह, प्रजनन स्थल और आवास प्रदान करती है। दिलचस्प यह है कि फुमदिस प्राकृतिक जल चक्र है यानी यह झील के तले तक डूब जाती है पौष्टिक तत्व जज्ब करने के लिए। फिर कुछ समय बाद ऊपर उठ जाती है। यह चक्र उसके बने रहने के लिए आवश्यक है। फुमदिस केवल वनस्पति का टुकड़ा नहीं है बल्कि जीवित स्ट्रक्चर है। यह एक मोटी परत होती है, जिस पर बड़े जानवर भी रहते हैं। इस पर जो घास उगती है वह पूरे साल यहां निवास करने वाले वन्य जीवों को आवश्यक पौष्टिक तत्व प्रदान करती है।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

शिखर चंद जैन

कई बार लोग प्रतिभावान और क्षमतावान होते हुए भी एक सीमित दायरे से बाहर निकलकर कुछ बड़ा अचीव नहीं कर पाते। अगर लाइफ में कुछ बड़ा हासिल करना है तो अपनी क्षमताओं को पहचान कर उसे एक्सप्लोर करना जरूरी है। यह कैसे होगा, बता रहे हैं आपको।

अपनी छिपी स्ट्रेंथ को ऐसे करें एक्सप्लोर

हम अकसर अपने आपको एक मानसिक दायरे में बंद कर लेते हैं और फिर कुएं के मेंढक की तरह उस दायरे से बाहर निकलने की कोशिश ही नहीं करते। स्वयं द्वारा निर्मित अपनी मानसिक शारीरिक सीमाओं को अपनी वास्तविकता मान लेते हैं, जबकि वे केवल हमारे विचारों की उपज होती हैं। ऐसे में हम आगे नहीं बढ़ पाते। आगे बढ़ने और तरक्की करने के लिए जरूरी है अपनी क्षमता को एक्सप्लोर करना। इसका अर्थ है, अपने डर के पार जाना। जब आप स्वयं पर लगे 'लेबल' हटा देते हैं, तो आप पाते हैं कि आप उससे कहीं अधिक हैं, जितना आपने कभी सोचा था।

हमारे भीतर है असीमित क्षमता: हम अपनी क्षमताओं का केवल 10 प्रतिशत ही इस्तेमाल करते हैं। यह आपने अकसर पढ़ा या सुना होगा। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि बाकी 90 प्रतिशत क्षमता का क्या होता है? वह बिना उपयोग के ही व्यर्थ के कामों में जाया हो जाती है। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इंसानी दिमाग की क्षमता का कोई अंत नहीं है। कैरोल ड्वेक अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'माइंडसेट' में बताती हैं, 'ग्रोथ माइंडसेट' के साथ, हम अपनी क्षमता को असीमित रूप से विकसित कर सकते हैं। जब हम यह मानते हैं कि हमारी बुद्धिमत्ता और प्रतिभा को मेहनत और सीखने के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है, तो हम अपनी सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ सकते हैं।' अब्राहम मैस्लो, जो मानवतावादी मनोविज्ञान के जनक माने जाते हैं, का मानना था कि हर इंसान में आत्म-वास्तविकीकरण की क्षमता होती है। यह वह अवस्था है, जहां हम अपनी पूरी क्षमता को पहचानते हैं और उसे हासिल करते हैं। उनके अनुसार, यह हम सभी की अंतर्निहित इच्छा होती है कि हम वह बनें, जो हम बनने के लिए सक्षम हैं।

लोगों का साथ लें: हमारी क्षमता केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक भी है। आधुनिक समाजशास्त्र के प्रमुख संस्थापकों में से एक एमिल दुर्खीम का मत है कि कि हम सामाजिक संबंधों और सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हमारे आस-पास के लोग, हमारी संस्कृति और हमारा सामाजिक माहौल हमारी क्षमताओं को आकार दे सकते हैं। दूसरों की मदद लेने से ही नहीं, उनकी मदद करने से भी हमारी क्षमताएं बढ़ती हैं। प्रमुख समाजशास्त्री मैक्स वेबर का मानना था कि अनुशासित और केंद्रित मेहनत, जो कि एक सामाजिक गुण भी है, से हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और अपनी क्षमता का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं।

कैसे करें अपनी क्षमता को एक्सप्लोर: अपनी असीमित क्षमता को एक्सप्लोर करने के लिए सबसे पहले, यह विश्वास करें कि आप में कुछ भी हासिल करने की क्षमता है। कभी भी नई चीजें सीखना न छोड़ें। नई किताबें पढ़ें और निरंतर नए अनुभव प्राप्त करें। कभी भी हार न मानें। अपनी असफलताओं से सीखें और आगे बढ़ें।

दिमाग के लचीलेपन का इस्तेमाल करें: जीनियस पैदा नहीं होते, गहन अभ्यास से जीनियस बनते हैं। प्रतिभा विकसित की जा सकती है। हमारा दिमाग लचीला होता है। इसका नियमित उपयोग और दिमागी मशक्कत करने से इसकी क्षमता निरंतर बढ़ती है। इस संबंध में जिम क्विक अपनी बेस्ट सेलर पुस्तक 'लिमिटलेस' में लिखते हैं, 'अपने दिमाग को अपग्रेड करें, कुछ भी तेजी से सीखें और अपने असाधारण जीवन को अनलॉक करें।' उनका कहना है कि हम अपनी सोच (माइंडसेट), प्रेरणा (मोटिवेशन) और तरीकों (मेथड्स) में बदलाव करके अपनी दिमागी क्षमताओं को असीमित कर सकते हैं, जिसमें सीमाओं को चुनौती देना, नींद को प्राथमिकता देना और लगातार अभ्यास करना शामिल है, ताकि हम तेजी से सीख सकें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। मैं यह नहीं कर सकता, जैसे विचारों को 'मैं यह सीख सकता हूं' में बदलें। अपनी बुद्धि को स्थिर न मानें, यह बढ़ सकती है। *

अक्षय तृतीया विशेष

हिंदू पंचांग के अनुसार हर साल वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है अक्षय तृतीया का पर्व। मान्यता है कि इस दिन किए जाने वाले शुभ कार्यों का अक्षय फल मिलता है। इस पर्व की महत्ता, इससे जुड़ी परंपराओं और मान्यताओं पर एक दृष्टि।

शुभ कार्यों का अक्षय फल प्रदान करती अक्षय तृतीया

पर्व-संस्कृति

धीरज बसाक

भारतीय पंचांग में कुछ तिथियां पूरे जीवन-दर्शन को अपने भीतर समेटे रहती हैं। अक्षय तृतीया ऐसी ही एक विशिष्ट तिथि है, जो अक्षयता यानी कभी न समाप्त होने वाली ऊर्जा, पुण्य और समृद्धि का प्रतीक बनकर उभरती है।

धार्मिक-पौराणिक मान्यताएं: अक्षय तृतीया की तिथि का धार्मिक और पौराणिक आधार भी इसे विशेष बनाता है। मान्यता है कि इसी दिन भगवान विष्णु के अवतार श्री परशुराम जी का जन्म हुआ था, जो धर्म और न्याय की स्थापना के प्रतीक माने जाते हैं। यह भी मान्यता है कि इसी दिन वेदव्यास ने महाभारत की रचना आरंभ की थी, जो भारतीय सभ्यता के नैतिक और दार्शनिक आधारों को समझने का सबसे बड़ा ग्रंथ है और इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने अपने मित्र सुदामा द्वारा सच्चे भाव से दिए गए एक छोटे से दान के बदले उन्हें दो 'लोक' प्रदान कर दिए थे। इन सभी कथाओं का सार यही है कि निःस्वार्थ भाव से किया गया कर्म कभी नष्ट नहीं होता।

सिखाती है जीने का संतुलित तरीका: भारतीय संस्कृति में यह विचार बहुत गहराई तक समाया हुआ है कि संसार की हर भौतिक वस्तु नश्वर है। लेकिन सत्कर्म, करुणा और धर्म के फल अक्षय होते हैं। अक्षय तृतीया इसी शाश्वत सत्य का उत्सव है। यह तिथि हमें याद दिलाती है कि जीवन में किए गए अच्छे कर्म, दान, सद्भाव कभी व्यर्थ नहीं जाते, वे किसी न किसी रूप में अक्षय बने रहते हैं। यह हमें केवल पूजा-पाठ की संस्कृति ही नहीं सिखाती बल्कि जीवन जीने का एक संतुलित और संवेदनशील तरीका भी सिखाती है।

कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन: अक्षय तृतीया पर्व जिस समय मनाया जाता है, वह रबी की फसल के पकने का समय होता है। खेतों में सुनहरी बालियां लहलहा रही होती हैं और किसान अपनी नई फसल को भगवान को अर्पित करते हैं। यह केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं बल्कि मानव और प्रकृति के बीच संतुलन और सम्मान का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को माता के रूप में देखा गया है और अक्षय तृतीया, प्रकृति के उस मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है।

धार्मिक-सामाजिक-आर्थिक महत्व: अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने की परंपरा केवल भौतिक समृद्धि का प्रतीक नहीं है बल्कि इस विश्वास का प्रतीक भी है कि आज किया गया निवेश भविष्य में स्थाई फल देगा। नए कार्यों की शुरुआत, गृह प्रवेश और विवाह आदि के लिए इस दिन को अत्यंत शुभ माना जाता है। विशेष बात यह है कि इस दिन किसी विशेष मुहूर्त की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि पूरा दिन ही शुभ-मुहूर्त वाला होता है।

दान-पुण्य और सेवा का संदेश: अक्षय तृतीया का महत्व केवल सोने-चांदी, आभूषणों या अन्य भौतिक वस्तुओं की खरीदारी तक ही सीमित नहीं है। इस दिन अन्न, जल, वस्त्र और कलश के दान करने की भी प्रथा है। गर्मी के मौसम में जरूरतमंदों को पानी पिलाना, भूखों को भोजन कराना, इस दिन ये सभी कार्य अत्यंत पुण्यदायी माने जाते हैं। ये परंपराएं हमें सिखाती हैं कि समाज में समृद्धि तभी अक्षय हो सकती है, जब हर किसी का उसमें हिस्सा हो। अक्षय तृतीया इसी सांस्कृतिक दर्शन के संतुलन का नाम है, जो बताती है कि सिर्फ भौतिक प्रगति ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी उतना ही जरूरी है।

शुभ कर्मों से मिलता है अक्षय फल: अक्षय तृतीया भारतीय संस्कृति की उस गहरी परंपरा से नाता रखती है, जहां धर्म, अर्थ, प्रकृति और समाज, चारों का सुंदर समन्वय होता है। यह तिथि हमें यह विश्वास दिलाती है कि हमारे कर्म सही दिशा में हैं, तो उनका फल कभी समाप्त नहीं होगा। वास्तव में यही अक्षयता का वास्तविक दर्शन है। एक ऐसा जीवन, जिसमें अच्छाई निरंतर प्रवाहित होती रहे। इस प्रकार देखें तो अक्षय तृतीया केवल एक पर्व नहीं बल्कि प्राचीन भारतीय जीवन-दर्शन की आत्मा का मूल है, जो हमें सिखाती है- जो भी शुभ करो, वह सदा के लिए अक्षय हो जाता है। *

ज्ञान-संस्कृति-विचारों की नई खिड़की खोलती हैं किताबें

भले ही पढ़ने और लिखने की नई-नई तकनीकें विकसित हो चुकी हैं, लेकिन किताबें हाथ में लेकर पढ़ने का सुख अनोखा होता है। पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने और कॉपीराइट के प्रति जागरूक करने के लिए ही 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक, कॉपीराइट दिवस मनाते हैं। इस दिवस की महत्ता पर एक नजर।

प्रवृत्ति

शाहिद ए. चौधरी

किताबें खिड़की की तरह होती हैं, जिसमें से दिखाई देता है एक नया संसार। हर नए पृष्ठ के साथ किताबें परिचित कराती हैं- नए लोगों से, नई संस्कृतियों से और नए विचारों से। गांधीजी ने कहा था, 'विचारों के युद्ध में पुस्तक ही शस्त्र है।' शायद यही वजह है कि ई-बुक्स के इस दौर में भी अनेक लोगों को अच्छे कागज पर छपी, जिल्द में बंधी, किताब अपने हाथों में लेकर पढ़ना ही अच्छा लगता है। हालांकि ऐसे लोगों को शायद आज परंपरागत मूल्यों में यथास्थिति का पक्षधर माना जा सकता है। लेकिन इससे पुस्तकप्रेमियों को कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किताबें पढ़ने की उनकी आदत जो बन गई है।

नई पीढ़ी हो रही किताबों से दूर

पढ़ने की प्रवृत्ति को लेकर एक पक्ष यह है कि रील्स और वीडियोज की आधुनिक चकाचौंध में गुम आज की पीढ़ी तो टेक्स्ट बुक्स की तुलना में नेट के वीडियो लेक्चर्स को वरीयता देती है। यह पीढ़ी किताब पढ़ने की बजाय ऑडियो-बुक्स को सुनना पसंद करती है। क्या पढ़ने और सुनने में समान एकाग्रता बनी रहती है और बराबर का ज्ञान मिलता है? इस पर बहस हो सकती है। बहरहाल, युवा पीढ़ी किताबों से जिस अंदाज से दूर हो रही है या उसे बंद कर रही है या उसे खोलना ही नहीं चाहती है, उस पर शम्स तबरेज का यह शेर याद आता है-

अजीब किस्म की उभरी थी शक्ल लफ्जों से

किताब बंद न करता तो डर गया होता।

इसलिए मनाते हैं विश्व पुस्तक दिवस

किताबों से बढ़ती दूरी की पृष्ठभूमि में यूनेस्को की कोशिश है कि लोग किताबों को खोलें, उन्हें पढ़ें, उनमें अपनी दिलचस्पी बढ़ाएं और ज्ञानी बनें, क्योंकि किताबों से बढ़कर कोई पक्का दोस्त नहीं होता। किताबें पीढ़ियों के बीच में और संस्कृतियों के बीच में पुल का काम करती हैं। इसी तथ्य को मान्यता प्रदान करने के लिए यूनेस्को यानी संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस मनाता है।

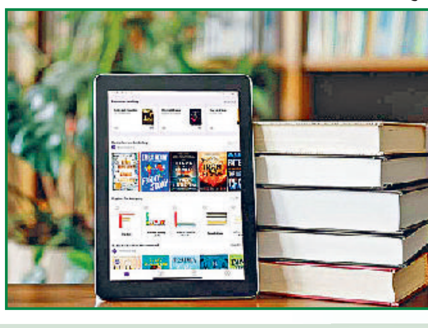

इस वर्ष के लिए चयनित पुस्तक राजधानी

हर साल इस जश्न को मनाने के लिए यूनेस्को व पुस्तक उद्योग के मुख्य सेक्टर्स- प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन मिलकर विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। चुना हुआ शहर सभी आयु वर्गों और सभी समाजों में किताबों और पढ़ने की संस्कृति को प्रोत्साहित करता है, न सिर्फ मेजबान देश में बल्कि पूरे विश्व में। यूनेस्को ने अब तक 26 विश्व पुस्तक राजधानियां घोषित की हैं, जिनकी शुरुआत 2001 में मेड्रिड (स्पेन) से हुई थी। इस वर्ष 2026 की पुस्तक राजधानी रबात (मराकश) को चुना गया है। रबात में मेन फोकस, संस्कृतियों को जोड़ने में पुस्तकों की भूमिका पर होगा। इसके अलावा इस वर्ष पुस्तक दिवस का फोकस पढ़ने के साथ साक्षरता पर भी है, जिसमें पढ़ने के घंटे को भी प्राथमिकता दी गई है। आमतौर से शाम को 7 से 8 बजे तक का समय किताब पढ़ने के लिए मुफीद माना जाता है। यानी रोजाना कम से कम एक घंटा किताब पढ़ने की प्रवृत्ति विकसित की जाए, इस पर फोकस किया जा रहा है।

नई चुनौतियां भी कम नहीं

इसके अतिरिक्त इस बात पर भी गंभीर चर्चा हो रही है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की लेखकों के लिए प्रकाशन और कॉपीराइट सुरक्षा में क्या भूमिका होनी चाहिए? यह गंभीर विषय है और पेचीदा भी। एआई कॉपीराइट की परवाह किए बिना किसी के भी कार्य को सार्वजनिक करने की क्षमता रखती है, जिससे लेखकों व प्रकाशकों को नुकसान की आशंका रहती है। लेकिन एआई को नियंत्रित करना भी आसान नहीं है। फिर भी कोई न कोई रास्ता तो निकालना ही होगा। *

कॉपीराइट सुरक्षा पर भी केंद्रित है यह दिवस

इस दिवस को मनाने का उद्देश्य कॉपीराइट सुरक्षा को भी प्रोत्साहित करना होता है, जैसा कि इसके नाम से स्पष्ट है। भारत में कॉपीराइट सुरक्षा 1957 के कॉपीराइट कानून से संचालित होती है, जिसके तहत स्वतः ही मूल साहित्य, नाटक, संगीत, सिनेमेटोग्राफ फिल्म्स/साउंड रिकॉर्डिंग्स सुरक्षित हो जाती हैं। सुरक्षा के लिए पंजीकरण आवश्यक नहीं है, लेकिन विवाद की स्थिति में प्रथम दृष्टया इसे साक्ष्य माना जाता है। कॉपीराइट सुरक्षा आमतौर से लेखक के जीवनकाल और उसके बाद अतिरिक्त 60 वर्षों तक लागू रहती है। यह 60 साल लेखक की मृत्यु के दिन से गिने जाते हैं। कानूनी साक्ष्य के लिए पंजीकरण करा लेना चाहिए, भले ही वह वैकल्पिक हो। इसके लिए कॉपीराइट ऑफिस में अप्लाई करना होता है। फोटोग्राफ, फिल्म, साउंड रिकॉर्डिंग, अज्ञात व सरकारी कार्य का कॉपीराइट प्रकाशन के बाद 60 वर्षों तक रहता है। इस दौरान लेखक को एक्सक्लूसिव अधिकार होता है, अपने कार्य के पुनः प्रकाशन, कापियां जारी करने, परफॉर्म करने, अनुवाद करने या एडॉप्ट करने का। कॉपीराइट उल्लंघन की स्थिति में दोनों दीवानी (मुआवजा), आपराधिक सजा (6 माह से 3 वर्ष की कैद और जुर्माना) का प्रावधान है। सेक्शन 52 के तहत कॉपीराइट उल्लंघन के अपवाद हैं जैसे निजी प्रयोग, शोध, आलोचना, समीक्षा या रिपोर्टिंग।